DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

'ऑपरेशन लोटस' की शिकार होगी एनसीपी

बीजेपी नेता के दावे से गरमाई राजनीति, दरेकर ने कहा-सांसद छोड़ सकते हैं पवार का साथ

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में महाजीत हासिल करने के बाद बीजेपी के हौसले बुलंद हो गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी और बीजेपी नेता प्रवीण दरेकर ने बड़ा दावा किया है। दरेकर ने कहा है कि विधानसभा चुनावों में शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के खराब प्रदर्शन के बाद सांसद पाला बदल सकते हैं। दरेकर ने कहा है कि वे बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में उद्धव ठाकरे की शिवसेना को 20, कांग्रेस को 16 और शरद पवार की पार्टी को 10 सीटों पर जीत मिली है। जबकि इन पार्टियों के पास कुल 31 सांसद है। इनमें आठ सांसद शरद पवार की पार्टी के हैं।

क्या बोले प्रणीव दरेकर?

दरेकर ने कहा है कि एमवीए के कई सांसद (खासकर एनसीपी-शरदचंद्र पवार के सांसद) उन निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जहां विधानसभा चुनावों में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने सबसे अधिक सीटें जीती हैं। दरेकर ने कहा कि अगर विकास उनकी प्राथमिकता है, तो केंद्र और राज्य दोनों सरकारों पर बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन का नियंत्रण है। ऐसे में वे अपने राजनीतिक भविष्य पर सावधानी से विचार कर सकते हैं।

दिल्ली में हैं पवार के सांसद

बीजेपी नेता प्रवीण दरेकर ने बुधवार को कहा कि हाल ही में संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के कुछ सांसद बीजेपी में शामिल हो सकते हैं। दरेकर के इस बयान ने हलचल मचा दी है। पवार की पार्टी के सांसद अभी दिल्ली में हैं। पिछली रात को पार्टी के कई सांसद अरविंद केजरीवाल और अभिषेक मनु सिंघवी के साथ हुई बैठक में मौजूद रहे थे। लोकसभा चुनावों में शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी 10 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। इसमें पार्टी को 8 सीटों पर जीत मिली थी। शरद पवार के लोकसभा सदस्यों में उनकी बेटी सुप्रिया सुले भी शामिल हैं।

एनसीपी की प्रतिक्रिया भी आई

बीजेपी नेता प्रवीण दरेकर के बयान पर एनसीपी (सपा) नेता विद्या चव्हाण की प्रतिक्रिया आई है। इसमें चव्हाण ने कहा है कि दरेकर के दावों में कोई दम नहीं है।। उन्होंने आगे बताया कि केंद्र में बीजेपी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडी(यू) और चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के महत्वपूर्ण समर्थन से बनी है। उन्हें समर्थन खोने का डर होगा। इसलिए ऐसी बयानबाजी हो रही है। चव्हाण ने कहा कि हमारे सांसद दृढ़ हैं और गठबंधन को धोखा नहीं देंगे।विधानसभा चुनावों में बीजेपी के नेतृत्व वाले महायुति को बड़ी जीत मिली है। इसमें पवार के भतीजे अजित पवार भी शामिल हैं।

प्लान A और B लेकर दिल्ली पहुंचे फडणवीस

मंत्रिमंडल के चेहरों और विभागों पर लगेगी मुहर

मुंबई। महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल के विस्तार से पहुंचे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दिल्ली पहुंचे हैं। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री और दो डिप्टी सीएम की शपथ होने के बाद अब मंत्रिमंडल का विस्तार 14 दिसंबर को होने की उम्मीद है। पहले 12 दिसंबर की तारीख तय की गई थी। फडणवीस के दिल्ली दौरे को मंत्रिमंडल विस्तार और विभागों की चर्चा से जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों की मानें तो सीएम के दिल्ली दौरे में मंत्रिमंडल और विभागों के बंटवारे पर मुहर लग जाएगी। राज्य में 15वीं विधानसभा का पहला सत्र 16 दिसंबर से नागपुर में शुरू होगा। सोमवार को खत्म हुए तीन दिवसीय विधानसभा के विशेष सत्र में विधायकों की शपथ के साथ स्पीकर का चुनाव हो चुका है। सूत्रों की मानें तो फडणवीस गृह विभाग शिवसेना को देने के इच्छुक नहीं है। उप मुख्यमंत्री बने एकनाथ शिंदे को अर्बन डेवलपमेंट के साथ एक-दो और अहम विभाग दिए जा सकते हैं। चर्चा यह भी है कि फडणवीस के दिल्ली पहुंचने बाद अजित पवार और एकनाथ शिंदे भी दिल्ली जा सकते हैं।

गृह व शहरी विकास पर शिंदे का दावा

सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात करेंगे। इन वरिष्ठ नेताओं की बैठक में पावर शेयरिंग के फॉर्मूले को अंतिम रूप दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गृह विभाग के साथ-साथ शहरी विकास पर भी जोर दे रहे हैं, ऐसे में यह देखना अहम होगा कि इस मांग का समाधान क्या होता है। चर्चा है कि शिंदे को गृह खाते की जगह राजस्व खाता दिया जा सकता है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस पहले ही कह चुके हैं कि पुराने मंत्रियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के बाद निर्णय लिया जाएगा। दिल्ली दौरे में सीएम फडणवीस के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलने की संभावना है। बीजेपी की कोशिश है कि एकनाथ शिंदे को अर्बन डेवलपमेंट पर राजी किया जाए। अगर ऐसा नहीं होता है तो बीजेपी उन्हें राजस्व विभाग दे सकती है। फडणवीस के पहले कार्यकाल में वह राजस्व विभाग संभाल चुके हैं।

संविधान के अपमान पर बवाल, भड़की हिंसा

दीपक पवार | परभणी

महाराष्ट्र के परभणी शहर में मंगलवार संविधान की प्रतिकृति को नुकसान पहुंचाए जाने के बाद हिसक प्रदर्शन हुआ। इस हिंसा को रोकने के लिए पुलिस ने शहर में कर्फ्यू लगा दिया है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हिंसा के बाद शहर में सार्वजनिक स्थलों पर पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी लगा दी गई है। इसके अलावा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के रिजर्व पुलिस बल की एक कंपनी को तैनात किया गया है। परभणी रेलवे स्टेशन के पास बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के पास कांच में संविधान की प्रतिकृति रखी हुई थी। मंगलवार को यह प्रतिकृति खंडित पाई गई। जैसे ही यह खबर सामने आई, अंबेडकर के समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन शुरू किया। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर जिला कलेक्टर के कार्यालय पर हमला किया और वहां की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया।

कांग्रेस ने सरकार और स्थानीय प्रशासन को लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया : कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने सरकार और स्थानीय प्रशासन को लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अगर सही समय पर कार्रवाई की जाती, तो हिंसा को टाला जा सकता था। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने संविधान की प्रतिकृति के अपमान की निंदा की और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की भी अपील की।

पूर्व DGP संजय पांडे की मुश्किलें बढ़ीं, क्राइम ब्रांच करेगी पूछताछ

धीरज सिंह | परभणी

महाराष्ट्र के पूर्व महानिदेशक और आईपीएस अधिकारी संजय पांडे की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। संजय पांडे और उनके छह सहयोगियों के खिलाफ ठाणे नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ है। उन पर वसूली और फर्जी केस दर्ज करने के आरोप लगाए गए हैं। संजय पांडे के खिलाफ व्यवसायी संजय

पूनियमिया ने शिकायत दर्ज कराई थी। पैसे वसूलने और झूठे केस दर्ज करने के मामले में बुधवार को ठाणे के वागले यूनिट-5 अपराध शाखा में संजय पांडे से पूछताछ की जाएगी।।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर न्यायालय को गुमराह करने का आरोप

आरोप है कि मई 2021 से 30 जून 2024 के बीच दर्ज मामलों में आरोपियों ने पीड़ित को परेशान किया। आरोपियों ने ठाणे नगर पुलिस में 2016 में दर्ज एक केस की अवैध जांच की।

हटाए गए शिंदे के नजदीकी मंगेश चिवटे

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के करीबी सहयोगी मंगेश चिवटे को सीएम के स्वास्थ्य सहायता डेस्क (मुख्यमंत्री सहायता निधि विभाग) के प्रमुख के पद से हटा दिया गया है।उनकी जगह अब डॉ। रामेश्वर नाइक ने ले ली है जो पहले देवेंद्र फडणवीस की स्वास्थ्य सहायता डेस्क के प्रमुख थे। बता दें कि सीएम शिंदे का कार्यकाल मुख्यमंत्री सहायता निधि के जरिए लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सहायता देने के लिए जाना जाता था। इस योजना की काफी चर्चा हुई थी। चिवटे ने कोरोना महामारी के दौरान मरीजों की मदद करके नाम कमाया था। उन्हें आरक्षण विरोध के दौरान राज्य सरकार और मराठा आरक्षण नेता मनोज जरांगे पाटिल के बीच आम सहमति बनाने के लिए भी जाना जाता था।

अनधिकृत स्कूलों को बंद करने की उठी मांग

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में अनधिकृत स्कूलों को लेकर एक बड़ा एक्शन लिया गया है। इसमें बताया जा रहा है कि ठाणे में अनधिकृत शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने की मांग रखी गई है, जिसके लिए मुंबई उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया गया है। स्कूल न्यासियों के एक निजी संगठन ने कहा है कि उसने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दिवा क्षेत्र के अनधिकृत शैक्षणिक संस्थानों को तत्काल बंद करने का अनुरोध करते हुए एक याचिका मुंबई उच्च न्यायालय में दायर की है।

इस घटना के बाद उठा मुद्दा

कुछ दिनों पहले मुंब्रा इलाके में एक निजी स्कूल में एक व्यक्ति द्वारा 10 वर्षीय लड़की के साथ छेड़छाड़ किए जाने की घटना की जानकारी कथित रूप से पुलिस को नहीं देने के आरोप में उसकी प्रधानाध्यापिका को गिरफ्तार किया गया। उसके बाद उच्च न्यायालय से ऐसा अनुरोध किया गया है। 'महाराष्ट्र इंग्लिश स्कूल ट्रस्टीज एसोसिएशन (एमईएसटीए)' ने दावा किया है कि यह एक अनधिकृत संस्थान है। एमईएसटीए के ठाणे जिला अध्यक्ष नरेश पवार ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में इस घटना की निंदा की और दावा किया कि दिवा में अनधिकृत स्कूलों की संख्या बढ़कर लगभग 70 हो गई है जबकि पिछले साल ऐसे 40 स्कूल थे।

40 अनधिकृत स्कूलों के खिलाफ याचिका दर्ज

उन्होंने यह दावा भी किया कि इन स्कूलों द्वारा विद्यार्थियों और अभिभावकों का शोषण किया जा रहा है, तथा बिना कानूनी अनुमति के झूठे दस्तावेज, जैसे मार्कशीट, स्कूल प्रमाण पत्र आदि जारी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में दिवा के 40 अनधिकृत स्कूलों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। एमईएसटीए के ठाणे जिला अध्यक्ष नरेश पवार ने कहा कि उनके संगठन ने ऐसे स्कूलों को तत्काल बंद करने के अनुरोध को लेकर उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है।

एक्शन मोड में उद्धव ठाकरे: शीतकालीन सत्र में जाएंगे, नागपुर की ठंड में गरमाएगा सियासी माहौल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से नागपुर में होगा। इसके लिए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे नागपुर जाएंगे। ठाकरे मुंबई में तीन दिवसीय विशेष सत्र से अनुपस्थित थे, लेकिन वह शीतकालीन सत्र में भाग लेंगे। राजनीतिक हलके की नजर इस बात पर है कि इस बार विधानसभा में उद्धव ठाकरे कौन से मुद्दे उठाएंगे।

नागपुर कब जाएंगे ठाकरे?

विधानमंडल का शीतकालीन सत्र सोमवार 16 दिसंबर से शनिवार 21 दिसंबर तक नागपुर में होगा। इसके लिए उद्धव ठाकरे रविवार 15 दिसंबर को विशेष विमान से नागपुर पहुंचेंगे। पहले दिन से ही ठाकरे एक्शन मोड में नजर आएंगे। खबर है कि वह 16 और 17 तारीख को इस कार्य में हिस्सा लेंगे।

विपक्षी नेता का क्या है फैसला?

दिलचस्प बात यह है कि ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि संख्याबल की कमी के कारण विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली रहेगा लेकिन अगर राष्ट्रपति ने इसे मंजूरी दे दी तो विपक्ष के नेता के चयन के लिए महाविकास अघाड़ी की बैठक में उद्धव ठाकरे हिस्सा लेते नजर आएंगे।

शीतकालीन सत्र कब से कब तक?

स्पीकर राहुल नार्वेकर ने विपक्ष के नेता को लेकर सस्पेंस बरकरार रखते हुए कहा कि मैं महाराष्ट्र विधानसभा के नियमों के प्रावधानों के साथ-साथ महाराष्ट्र विधानसभा की रीति-रिवाजों और परंपराओं के अनुसार उचित निर्णय लूंगा। राहुल नार्वेकर ने बताया कि सोमवार को विधान भवन में कार्यमंत्रणा समिति की बैठक के बाद नागपुर का शीतकालीन सत्र 16 से 21 दिसंबर तक आयोजित करने के संबंध में निर्णय लिया गया।

ईवीएम का विसर्जन

इस बीच विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद जब विपक्ष ने ईवीएम के खिलाफ आग उगली तो मंगलवार को उद्धव बालासाहेब ठाकरे की पार्टी शिवसेना ने अरब सागर में ईवीएम की प्रतिकृति विसर्जित कर विरोध जताया। पार्टी के राज्य आयोजक अखिल चित्रे ने इस अलग विरोध प्रदर्शन की शुरुआत की और 'ईवीएम हटाने' की मांग की। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद शिवसेना ने ईवीएम के खिलाफ बिगुल फूंका। चित्रे ने यह विरोध तब किया जब शिवसेना यूबीटी पार्टी ईवीएम के खिलाफ आक्रामक रुख अपना रही थी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस ने राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की

नयी दिल्ली । 11 दिसंबर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की हाल में शपथ लेने वाले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को यहां राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। उन्होंने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की। राष्ट्रपति मुर्मू से अपनी मुलाकात के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, ''उन्हें महाराष्ट्र के देवता भगवान विट्ठल-रुक्मिणी की मूर्ति भेंट की।' उपराष्ट्रपति सचिवालय ने यहां फडणवीस और धनखड़ की मुलाकात की तस्वीर साझा की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''महाराष्ट्र के ऊर्जावान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। मुझे विश्वास है कि तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में उनका कार्यकाल महाराष्ट्र की विकास यात्रा को नई गति देगा। उन्हें आगे के सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।'

जमीन बेचने को लेकर बिल्डर से 78.35 करोड़ की धोखाधड़ी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

19 वर्ष बाद मामला दर्ज

भिवंडी तालुका में 78.35 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला प्रकाश में आया है। जहां एक जमीन के दलाल ने 19 वर्ष पूर्व जमीन बिक्री करने हेतु जाली दस्तावेजों के जरिए बिल्डर से करोड़ों रुपए ऐंठ लिए हैं। कोनगांव पुलिस ने जमीन एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार 16 मार्च 2006 से 1 मार्च 2024 के दरमियान मुंबई के माटुंगा निवासी अशीष चंद्रकांत शाह ने मुंबई के बिल्डर दिलीप कुमार फूलचंद चैन से संपर्क कर उन्हें भिवंडी के पिंपलास में 300 एकड़ जमीन खरीदने पर आमादा किया था। जिसके बाद अशीष शाह ने जमीन के जाली दस्तावेज के आधार पर उक्त जमीन की बिक्री कर जमीन को नाम पर ट्रांसफर करने को लेकर उक्त बिल्डर से 78 करोड़ 35 लाख 51 हजार 165 रुपए ऐंठ लिए। जिसके बाद उक्त बिल्डर को न तो जमीन पर कब्जा दिया गया और न ही उनका पैसा वापस मिला। जिसके बाद से बिल्डर द्वारा अशीष शाह से लगातार अपने पैसे वापस करने की मांग करते हुए 19 वर्ष गुजर गया और जब अशीष शाह ने पैसे वापस न करते हुए उन्हें धमकी देने शुरू कर दिया, तब जाकर उन्होंने अपने साथ हुए विश्वासघात की शिकायत ठाणे के आर्थिक अपराध शाखा से लिखित पत्र के माध्यम से की। जिसके बाद शिकायतकर्ता के दिए गए शिकायत पत्र की जांच के बाद मंगलवार को कोनगांव पुलिस स्टेशन ने मुंबई निवासी दिलीप कुमार फूलचंद जैन की शिकायत पर मुंबई माटुंगा निवासी अशीष चंद्रकांत शाह के खिलाफ गुनाह रजिस्टर नंबर 1082/2024 में भादवी कलम 420, 406, 467 468 के तहत मामला दर्ज किया। मामले की जांच आर्थिक अपराध शाखा की वरिष्ट पुलिस निरीक्षक निलीमा पवार कर रही है।

मंत्री ने गोदी श्रमिक वेतन समझौते को मंजूरी दी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत में बंदरगाह और गोदी श्रमिकों पर 1 जनवरी 2022 से लागू वेतन समझौता 27 सितंबर 2024 को मुंबई में संपन्न हुआ और केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस वेतन समझौते को मंजूरी दे दी है, मंत्रालय के सचिव सुजीत कुमार ने एक लिखित आदेश में यह बताया। यह जानकारी ऑल इंडिया पोर्ट एंड डॉक वर्कर्स फेडरेशन (वर्कर्स) के महासचिव सुधाकर अपराज ने दी। उन्होंने कहा कि भारत के प्रमुख बंदरगाहों में सभी ट्रेड यूनियन ने वेतन समझौते को तत्काल लागू करने के लिए एकजुटता दिखाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। 5 और 10 दिसंबर 2024 को मुंबई बंदरगाह पर दोपहर के भोजन के दौरान, सेवारत कर्मचारियों, सेवानिवृत्त श्रमिकों और उनके परिवारों ने अंबेडकर भवन और मुंबई बंदरगाह प्राधिकरण कार्यालयों के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। मुंबई पोर्ट ट्रस्ट डॉक और जनरल कर्मचारी संघ, परिवहन और डॉक वर्कर्स यूनियन, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट सेवानिवृत्त कर्मचारी संघ, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट वर्कर्स यूनियन, शोर और फ्लोटिला वर्कर्स एसोसिएशन, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी स्थानीय पीपुल्स राइट्स कमेटी, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट एससी एसटी कल्याण एसोसिएशन द्वारा यह आंदोलन संयुक्त रूप से चलाया गया। यह सफलता भारत में छह मान्यता प्राप्त गोदी श्रमिक महासंघों के नेताओं के निरंतर अनुवर्ती और श्रमिकों के एकजुट आंदोलन के कारण प्राप्त हुई है।

पैसे से लोकतंत्र खरीदने की कोशिश है 'ऑपरेशन लोटस': नाना पटोले

सवालों से भागने के लिए नागपुर में सिर्फ 5 दिनों का अधिवेशन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में प्रतिष्ठित भारत में लोकतंत्र को नष्ट करने का पाप किया जा रहा है। भाजपा सरकार सभी तंत्रों का इस्तेमाल कर लोकतंत्र को कुचलने का काम कर रही है। चुनाव आयोग के माध्यम से लोगों के वोट लूटे जा रहे हैं। बीजेपी चाहती है कि देश में कोई विपक्षी पार्टी नहीं हो। इससे पहले महाराष्ट्र में ऑपरेशन लोटस हुआ और अब लोकसभा में भी यही चल रहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा है कि लोकतंत्र पर इस तरह का हमला निंदनीय है क्योंकि 'ऑपरेशन लोटस' भ्रष्ट तरीकों से प्राप्त धन की मदद से लोकतंत्र को खरीदने का प्रयास है।

रात के अंधेरे में लोकतंत्र की हत्या

बुधवार को नागपुर में मीडिया से बात करते हुए नाना पटोले ने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में जो सरकार आई है, उसे लेकर लोगों के मन में संदेह है। लोगों को लग रहा है कि उनके वोटों को लूटा गया है। मारकडवाडी के बाद यह भावना देश स्तर पर बढ़ने लगी है। कई ग्राम सभा प्रस्ताव पारित कर मतदान पत्र यानी बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रही है। चुनाव आयोग अभी तक यह नहीं बता पाया है कि रात के अंधेरे में 76 लाख वोटों की वृद्धि कैसे हो गई। पटोले ने कहा कि रात के अंधेरे में लोकतंत्र की हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि अगर चुनाव आयोग इस बारे में संतोषजनक जवाब नहीं देता है तो वे सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

जनता के सवालों से भाग रही भाजपा

पटोले ने कहा कि बीजेपी गठबंधन सरकार का पहला सत्र नागपुर में हो रहा है.। राज्य की जनता को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सत्र में महंगाई, बेरोजगारी, नौकरी भर्ती, किसान आत्महत्या, कृषि उपज की गारंटी जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। किसानों को 3 लाख रुपये का लोन दिया जाना चाहिए। नौकरियों को कैसे भरा जाए, इस पर भी चर्चा जरूरी है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह के विभिन्न मुद्दों पर नागपुर सत्र में चर्चा होनी चाहिए। हमारी मांग थी कि यह सत्र कम से कम एक महीने का होना चाहिए। लेकिन भाजपा गठबंधन सरकार जनता के सवालों से भाग रही है। यही वजह है कि सिर्फ पांच दिन का सत्र बुलाया गया है।

प्रतिपक्ष पद को लेकर कोई विवाद नहीं

एक सवाल के जवाब में नाना पटोले ने कहा कि महाविकास आघाड़ी में नेता प्रतिपक्ष पद को लेकर कोई विवाद नहीं है। तीनों दल मिल बैठकर विपक्ष के नेता का नाम तय करेंगे। महायुति सरकार नागपुर सत्र में इस पर फैसला लेगी। पटोले ने कहा कि हम लोगों ने कांग्रेस विधायक दल के नेता और समूह नेता को तय करने के सभी अधिकार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को दे दिए ए हैं और जल्द ही इस पर निर्णय लिया जाएगा।

इलेक्ट्रीशियन ने साइबर धोखाधड़ी में 10 लाख गंवाए

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई पुलिस ने बुधवार को बताया कि 27 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन ने ऑनलाइन 'टास्क कम्प्लीशन धोखाधड़ी में 10 लाख रुपये गंवा दिए। क्योंकि उसे अधिक रिटर्न पाने के बहाने पैसे भेजने का लालच दिया गया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी में कार्यरत पीड़ित को अक्तूबर में एक महिला का फोन आया, जिसने उसे पार्ट-टाइम नौकरी का ऑफर दिया। महिला ने पीड़ित को एक व्हाट्सएप लिंक भेजा और उसे सोशल मीडिया पर समीक्षाओं को रेटिंग देने और वीडियो को लाइक करने जैसे ऑनलाइन कार्य पूरे करने के लिए कहा। अधिकारी ने बताया, पीड़ित का विश्वास जीतने के लिए धोखेबाजों ने शुरू में उसे दिए गए कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने पर 200 रुपये भेजे। बाद में उसे एक टेलीग्राम ग्रुप में जोड़ दिया गया। पीड़ित को वादा किया गया था कि काम पूरा करने के लिए फीस के तौर पर छोटी रकम भेजने पर उसे ज्यादा रिटर्न मिलेगा। अधिकारी ने बताया कि इस ऑफर से प्रभावित होकर उसने व्हाट्सएप ग्रुप में दिए गए बैंक अकाउंट नंबर पर पैसे भेजने शुरू कर दिए। अक्टूबर से अब तक उसने 10 लाख रुपये भेजे, लेकिन रिटर्न पाने में विफल रहा। जब भी उसने महिला के फोन नंबर पर कॉल किया, तो उसे कोई जवाब नहीं मिला। पीड़ित को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी की गई है और उसने बीकेसी पुलिस स्टेशन से संपर्क किया। इसके बाद भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच जारी है।

तीन साल में 247 हादसे, कईयों की गई जान!

मुंबई की बेस्ट बस से जुड़े चौंकाने वाले आंकड़े

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के कुर्ला (पश्चिम) इलाके में सोमवार रात बेस्ट की एक अनियंत्रित ईवी बस ने एसजी बारवे रोड पर पैदल चल रहे लोगों और वाहनों को टक्कर मार दी। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और 42 लोग घायल हुए। इस हादसे के बाद बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) उपक्रम पर भी सवाल खड़े हो रहे है। हाल के कुछ वर्षों के आंकड़ों को देखें तो मुंबई की बेस्ट बस कई बड़ी दुर्घटनायें हुई है, जो न केवल दो वाहनों, पैदल चलने वाले लोगों के साथ ही यात्रियों के लिए भी घातक साबित हुए हैं। पिछले तीन वर्षों में BEST बसों से 247 दुर्घटनाएँ हुई हैं और अधिकांश दुर्घटनाएँ बेस्ट के बेड़े में शामिल उसकी खुद की बसों के साथ हुई हैं। कुल दुर्घटनाओं में से 133 दुर्घटनाएँ बेस्ट के स्वामित्व वाली बसों से हुईं, जबकि 114 दुर्घटनाएँ पट्टे पर ली गई बसों में हुईं। बेस्ट बसें मुंबई के साथ-साथ इसके पड़ोसी जिलों के कुछ हिस्सों तक चलती है। यही वजह है कि बेस्ट बस से यात्रा करने वाले यात्रियों की दैनिक संख्या 30 लाख से अधिक है। 2022 से अब तक बेस्ट के स्वामित्व वाली बसों से 133 दुर्घटनाएँ हुई हैं। इसमें 22 घातक दुर्घटनाएं और 83 गंभीर दुर्घटनाएं शामिल हैं। जबकि बाकी छोटी-मोटी दुर्घटनाएं हैं।

10000 'लाडली बहनों' को झटका ! योजना के लिए हुईं अपात्र

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विधानसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होते ही लाडकी बहीण योजना के तहत लंबित आवेदन की जांच शुरू हो गई है। जानकारी के मुताबिक, पुणे जिले में लाडकी बहीण योजना के लिए आवेदन करने वाली करीब 10 हजार महिलाओं को अपात्र घोषित कर दिया गया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद लाडकी बहिन योजना के तहत लंबित आवेदन की जांच शुरू कर दी गयी है। महिला बाल कल्याण विभाग ने जानकारी दी है कि पुणे जिले में 20 लाख 84 हजार आवेदकों को लाडली बहना योजना का लाभ मिला है। पुणे जिले में लाडली बहना योजना (लाडकी बहीण योजना) के लिए 15 अक्टूबर तक 21 लाख 11 हजार 363 आवेदन स्वीकृत किये गये। चुनाव के चलते बाकि आवेदनों की जांच नहीं हो सकी थी। बताया जा रहा है कि 12 हजार आवेदनों की जांच अभी बाकी है। पुणे में 9,814 आवेदन त्रुटियों के कारण अयोग्य घोषित कर दिए गए हैं जबकि 5,814 आवेदन में मामूली त्रुटियों के कारण अस्थायी रूप से खारिज कर दिए गए हैं। पुणे शहर से 6 लाख 82 हजार 55 आवेदन मिले हैं। 6 लाख 67 हजार 40 आवेदन स्वीकृत किये गये, जिनमें से 3 हजार 494 आवेदन अयोग्य घोषित कर दिये गये। पुणे जिले में कुल 21 लाख 11 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 20 लाख 84 हजार 364 आवेदन स्वीकृत किये गये और 9 हजार 814 आवेदन अपात्र घोषित कर दिये गये।

42 हजार आवेदन खारिज

पिंपरी-चिंचवड में लाडली बहनों द्वारा 4 लाख 32 हजार 890 आवेदन भरे गए थे। इनमें से 3 लाख 89 हजार 920 महिलाएं इस योजना के लिए पात्र थीं। तो वहीं 42 हजार 486 आवेदन खारिज कर दिए गए हैं। जिन महिलाओं के घर में चार पहिया वाहन है, उन्हें इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। हालांकि चार पहिया वाहनों से ट्रैक्टर को बाहर रखा गया है। जिन महिलाओं की संयुक्त वार्षिक पारिवारिक आय ढाई लाख से अधिक है, उन्हें अब लाडकी बहिन योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

वागले इस्टेट सिविल अस्पताल परिसर में होगा अस्पताल का निर्माण कार्य

50 बेड का आयुर्वेद, होमियोपैथी, यूनानी, योग का उपचार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

आयुर्वेदिक उपचार के दौरान समय लगता है लेकिन उपचार करवाने के लिए लोगों का रुझान बढ़ रहा है। इसको देखते हुए जिला स्वास्थ्य प्रशासन ने मरीजों की बढ़ती मांग को लेकर स्वतंत्र अस्पताल बनाने की तैयारी कर रहा है। वागले इस्टेट स्थित सिविल अस्पताल के प्रांगण में 50 बेड के अस्पताल में आयुर्वेदिक, होमियोपैथी, यूनानी पद्धति से मरीजों का उपचार किया जायेगा। जिसमें पंचकर्म सेंटर,क्षारधार आदि का उपचार किया जायेगा। आयुर्वेदिक उपचार के साथ-साथ एलोपैथी उपचार पर विश्वास करने वाले मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है।इसके चलते पुरानी बीमारियों से जूझ रहे कई मरीज आयुर्वेदिक उपचार की ओर रुख करते नजर आ रहे है।आयुष मंत्रालय के निर्देशानुसार राष्ट्रीय आयुष अभियान के तहत जिला आयुष अस्पताल का कार्य अगले कुछ दिनों में शुरू कर दिया जायेगा.। जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने यह जानकारी दी। आयुष अस्पताल के निर्माण के लिए 15 करोड़ रुपये मंजूर किया हैं। अस्पताल में जमीन पर 50 बेड के अलावा तीन मंजिला भवन, योग, प्रतीक्षा कक्ष, मुख्य चिकित्सा कक्ष, आयुर्वेद कक्ष,स्वच्छता कक्ष, होम्योपैथी कक्ष, यूनानी, प्रयोगशाला, प्राकृतिक चिकित्सा आदि सुविधाएं उपलब्ध हैं। साथ ही पंचकर्म, क्षारसूत्र आदि अन्य आयुष उपचार भी किया जायेगा। 28,1712 वर्ग फुट में जिला आयुष अस्पताल तैयार किया जायेगा। परिसर में खड़ा रहेगा। जमीन पर ओपीडी अन्य कार्यालय,पहला महला पर योग हॉल, कैंटीन, गर्भ संस्कार हाल है। पुरुषों का कमरा दूसरा महला और महिलाओं का कमरा व नर्स का कमरा आदि तीसरी मंजिल पर होगा।

डॉ.कैलाश पवार जिला शल्य चिकित्सक ने कहा कि भारत में प्राचीन काल से आयुर्वेदिक उपचार प्रणालियों ने जड़ी-बूटियों, हर्बल दवाओं, आहार, व्यायाम शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जायेगा। एलोपैथी इलाज में मरीज को जल्द परिणाम मिलता है, लेकिन आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी जैसे इलाज से मरीज को राहत मिलती है। मधुमेह, हृदय रोग, रक्तचाप जैसी बीमारियों का आयुर्वेदिक इलाज हर कोई नहीं करा सकता। लेकिन सिविल अस्पताल में आयुष अस्पताल स्थापित किया जा रहा है।ऐसे में आम मरीजों के लिए यह खुशी की बात है कि उन्हें एक ही जगह आयुर्वेदिक, होम्योपैथी, यूनानी, योग जैसे इलाज मिल जाएंगे।

सब्जी खरीदने गई महिला की थैली से डेढ़ लाख के गहने चोरी

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर के भाजी मार्केट में सब्जी खरीद रही एक महिला के हाथ से एक चोर ने थैली से सोने के गहने और नकदी चोरी कर फरार हो जाने का मामला सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार दोपहर एक बजे अंबाडी निवासी कमल सुरेश खांडेकर मंडई इलाके स्थित सब्जी मंडी में टमाटर बेच रहे ठेले से टमाटर खरीद रही थी, महिला के हाथ में एक छोटे पर्स में मंगलसूत्र व सोने की चेन और 15 हजार रुपये नकद रखे हुए थे, वहीं महिला पर नजर जमाए एक अज्ञात चोर ने महिला पर्स चुरा लिया। पर्स में 1 लाख 65 हजार रुपये के गहने और नकदी थे। निजामपुर पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात चोर के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक चव्हाण कर रहे हैं।

'वोट जिहाद' जैसे शब्दों के इस्तेमाल की EC कर रहा जांच

महाराष्ट्र में आचार संहिता उल्लंघन के 659 मामले दर्ज

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

हाल में संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान राजनीतिक दलों ने कई नारे दिए। इसमें कई नारे विवादास्पद भी रहे। ऐसे में निवार्चन आयोग ने आचार संहिता उल्लंघन के मामले दर्ज किए है। जिसकी जांच की जा रही है। महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. किरण कुलकर्णी ने आचार संहिता उल्लंघन मामलों पर जवाब देते हुए कहा कि सभी मामलों जांच की जा रही हैं। महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. किरण कुलकर्णी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि राज्य में हुए चुनाव के दौरान चुनाव आचार संहिता उल्लंघन के 650 से अधिक मामले दर्ज किए गए और प्रवर्तन एजेंसियां यह सुनिश्चित करेंगी कि इन मामलों को तार्किक अंजाम तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान कुछ राजनीतिक दलों द्वारा इस्तेमाल किये गये ''वोट जिहाद" जैसे विवादास्पद शब्दों की भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा जांच की जा रही है। डॉ. किरण कुलकर्णी ने कहा कि उन्होंने कहा कि "निर्वाचन आयोग आगे की कार्रवाई करने से पहले कानूनी, भाषाई और सामाजिक क्षेत्रों में इसके प्रभावों का सतर्कतापूर्वक विश्लेषण कर रहा है। हमें वोट जिहाद जैसे शब्दों से बहुत सावधान रहना चाहिए क्योंकि इनके गंभीर परिणाम होते हैं।"

समीक्षा के बाद उचित निर्णय लेंगे

महाराष्ट्र के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि "यह एक नया वाक्यांश है जिसके लिए गहन अध्ययन की आवश्यकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी तथा मैं और ईसीआई के अधिकारी इसका विश्लेषण कर रहे हैं और इन सभी पहलुओं की व्यापक समीक्षा के बाद उचित निर्णय लेंगे।" जब उनसे पूछा गया कि क्या इस तरह के विवादास्पद शब्दों से चुनावी चर्चा पर असर पड़ता है, तो कुलकर्णी ने जल्दबाजी में कोई निष्कर्ष निकालने के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि "यह एक लंबी प्रक्रिया है। शब्दों और उनके संदर्भों को अच्छी तरह से परिभाषित किया जाना चाहिए। नई शब्दावली के लिए कोई ठोस कानूनी ढांचा नहीं है, इसलिए हमें ऐसे मामलों से सावधानीपूर्वक निपटना चाहिए तथा उनके परिणामों को ध्यान में रखना चाहिए।"

आचार संहिता के उल्लंघन के 659 मामले दर्ज किए गये

बता दें कि महाराष्ट्र में 288 सदस्यीय विधानसभा के लिए 20 नवंबर को चुनाव हुए थे वहीं 23 नवंबर को मतगणना हुई थी। राज्य में चुनाव आचार संहिता 15 अक्टूबर को लागू हो गई थी। कुलकर्णी ने कहा कि राज्य में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के लिए कुल 659 मामले दर्ज किए गये। यह आंकड़ा इसी वर्ष की शुरुआत में हुए लोकसभा चुनावों के दौरान दर्ज किए गए ऐसे मामलों से ज्यादा है। इसी साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के 366 मामले दर्ज किए गए थे। उन्होंने कहा कि "हमारी जांच एजेंसियों ने लोकसभा मामलों में उत्कृष्ट कार्य किया है और अदालतों में 300 आरोपपत्र पहले ही दाखिल किए जा चुके हैं।"

सभी आरोपपत्र अदालतों में दाखिल किए जाएंगे

विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन के मामलों के बारे में डॉ. किरण कुलकर्णी कि हम पूरी तत्परता से मामलों की जांच कर रहे हैं। हमारी प्रवर्तन एजेंसियां जांच कर रही हैं और सभी आरोपपत्र अदालतों में दाखिल किए जाएंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ये मामले तार्किक अंजाम पर पहुंचें। कार्रवाई की समय सीमा न्यायपालिका पर निर्भर करती है।" कुलकर्णी ने महाराष्ट्र की मजबूत चुनावी प्रणाली का हवाला देते हुए मतदान के दौरान बूथ कब्जाने के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में बूथ पर कब्जे कभी नहीं हुए। ईवीएम के मामले में यह बेमानी है, क्योंकि मशीनें मजबूत हैं और डेटा को फिर से हासिल किया जा सकता है। मतदान के दौरान व्यवधान के छह मामले सामने आए, लेकिन एक घंटे के भीतर मतदान प्रक्रिया बहाल कर दी गई।

अनारक्षित यात्रियों की सुविधा के लिए जोड़े गए अतिरिक्त सामान्य डिब्बे

मुंबई। रेलवे द्वारा नॉन-एसी कोचों के लिए 2:3 और एसी कोचों के लिए 1:3 का अनुपात बनाए रखते हुए आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और अन्य लोगों के लिए सुविधाओं के विस्तार पर सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। सामान्य डिब्बों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एक स्पेशल मैन्यूफैक्चरिंग प्रोग्राम शुरू किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में 1914 कोच पहले ही जोड़े जा चुके हैं, जिनमें 384 ईएमयू कोच और 185 मेमू कोच हैं, जो अनारक्षित श्रेणी के यात्रियों के लिए सुविधा सुनिश्चित करते हैं। इससे लगभग 72 लाख यात्री लाभान्वित होंगे। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, रेल यात्रा के प्रति आम जनता की लगातार बढ़ती मांग को देखते हुए देशभर के सभी रेल जोनों और मंडलों में अतिरिक्त सामान्य डिब्बे बढ़ाने की प्रक्रिया चल रही है।

सुप्रीम कोर्ट जाने के फैसले का नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार ने दिया साथ

मुंबई। ईवीएम को लेकर विपक्ष ने बड़ी चिंता जताई है। हाल के चुनावों में ईवीएम की पारदर्शिता और चुनावी गड़बड़ी के आरोपों पर बढ़ती आशंकाओं के बीच विपक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। विपक्षी दलों ने बार-बार चुनाव आयोग से मतदान प्रक्रिया में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इस बात को लेकर नागपुर में भी सनसनी उठी है। ईवीएम के मुद्दे को लेकर नागपुर में कांग्रेस नेता नाना पटोले और विजय वडेट्टीवार ने चिंता जताई है और कहा है कि

हमे ईवीएम पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है। साथ ही अब वे इस मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा जांच की मांग करते है।

नाना पटोले ने ईवीएम पर दिखाया अविश्वास

ईवीएम को लेकर विपक्ष के सुप्रीम कोर्ट जाने पर कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने कहा, "ईवीएम पर भरोसा नहीं है, भारत के अलावा दुनिया में कहीं भी इसका इस्तेमाल नहीं हो रहा है। इस पर अविश्वास का सवाल है और दुनिया ने इसे नकार दिया है, तो हम इसे क्यों नहीं नकार सकते? हम इस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं और हमें पूरा भरोसा है कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर जरूर विचार करेगा।"

इनके अलावा महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने भी ईवीएम पर अपना अविश्वास व्यक्त किया। नाना पटोले ने कहा, "लोगों को ईवीएम पर भरोसा नहीं है और चुनाव आयोग इसमें दखल नहीं दे रहा है, इसलिए हम इस आवाज को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएंगे।" शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की विश्वसनीयता पर चिंता दोहराई है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में विपक्ष की याचिका के जवाब में कहा है कि मतदाता मतदान और ईवीएम के बीच विसंगतियों पर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने न्यायिक हस्तक्षेप के माध्यम से इस मुद्दे पर स्पष्टता की मांग की है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने चुनाव आयोग की बताई जिम्मेदारी

एएनआई से बात करते हुए, चतुर्वेदी ने इस तरह की चिंताओं को दूर करने में भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की जिम्मेदारी की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, "भारत के चुनाव आयोग की भी कुछ जिम्मेदारी है, खासकर जब भारत के पूर्व चुनाव आयोग ने भी कहा है कि मतदाता मतदान बढ़ता है और संख्याओं में गड़बड़ी देखी जाती है, इस पर जांच होनी चाहिए।"

मुंबई एयरपोर्ट पर 9.95 करोड़ रुपए का 12.5 किलो सोना जब्त

मुंबई। मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोना तस्करी के बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है। डीआरआई (डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस) की टीम ने खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए 12.5 किलो सोना जब्त किया है। जब्त सोने की कीमत 9.95 करोड़ रुपये आंकी गई है। डीआरआई को सूचना मिली थी कि एयरपोर्ट के फूड कोर्ट में काम करने वाले कुछ कर्मचारी अंतरराष्ट्रीय ट्रांजिट यात्रियों से सोना प्राप्त कर उसे एयरपोर्ट से बाहर तस्करी करते हैं। इस सूचना के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने निगरानी शुरू की और दो तस्करी के मामलों में सोना बाहर ले जाने की कोशिश के दौरान इसे पकड़ा।

मध्य रेल
भुसावल मंडल

सामान्य कमरे के प्रावधान के लिए विद्युतीकरण कार्य

1) **कार्य का विवरण: भाग ए-** भुसावल मंडल में (27 स्टेशनों) विभिन्न स्टेशनों / स्वचालित हटों पर डेटालॉगर, ईएलडी, फ्यूज अलार्म सिस्टम की निगरानी और एस एंड टी महत्त्वपूर्ण रखरखाव स्पेयर के भंडारण के लिए एक सामान्य कमरे के प्रावधान के संबंध में विद्युतीकरण का कार्य। 2) **अनुमानित लागत:** ₹ 58,12,992/-. 3) **ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय:** 06/01/2025 को 15.00 बजे। 4) **वेबसाइट विवरण:** https://www.ireps.gov.in
ई-निविदा सं.: BSL-L-W-T-79-2024

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

Sai/BSL/02

महाराष्ट्र बाल अधिकार आयोग की कार्रवाई तेज

35 POCSO और RTE मामलों पर की सुनवाई

मुंबई। बाल अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए और उनके संरक्षण और उनके अधिकारों से उन्हें अवगत कराने के लिए महाराष्ट्र बाल अधिकार आयोग ने 35 POCSO और RTE मामलों की सुनवाई की। महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने हाल ही में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम और बच्चों के निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (RTE) अधिनियम से संबंधित 35 मामलों की सुनवाई की, जिसमें POCSO अधिनियम के तहत मिली शिकायतों पर विचार किया गया।

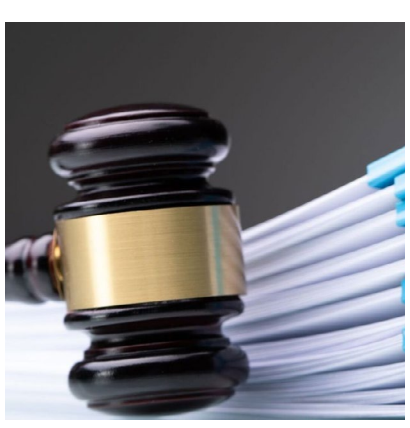

पुलिस की सराहना

इस सुनवाई में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, बाल कल्याण समिति के सदस्य, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी और शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हुए। आयोग ने लगभग सभी मामलों में आरोप पत्र दाखिल करने के लिए पुलिस की सराहना की, जो अब अदालत में लंबित हैं। आयोग कानूनी प्रक्रिया में तेजी लाने और उल्लंघनों को रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की भी योजना बना रहा है। आधिकारिक बयान के अनुसार, "महाराष्ट्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (POCSO) अधिनियम और बच्चों के नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार (RTE) अधिनियम (2009) से संबंधित 35 मामलों की सुनवाई की, जो POCSO अधिनियम के तहत प्राप्त शिकायतों से संबंधित थे।"

POCSO के मामले ज्यादा

बयान में आगे कहा गया है कि ये मामले मुख्य रूप से POCSO अधिनियम के तहत शिकायतों से संबंधित थे। सुनवाई में मुंबई शहर और उपनगरीय क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, बाल कल्याण समिति के सदस्य, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी और जिला बाल संरक्षण अधिकारी शामिल हुए। इसके अलावा, शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारी और स्कूलों के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने सुनवाई से पहले लगभग सभी मामलों में आरोप पत्र दाखिल कर दिए हैं। आयोग ने इसके लिए पुलिस की सराहना की और मामले अभी अदालत में लंबित हैं। बयान के अनुसार, आयोग प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने, उल्लंघनों को रोकने और समय बचाने के लिए दिशा-निर्देश और सिफारिशें जारी करने के लिए तैयार है।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

टेली.नं.-022-66405484, ई-मेल : eecityslum@gmail.com

संदर्भ न.ईई/शहर/एमएसआईबी/ई-निविदा/06/2024-25 (दूसरी कॉल)

ई-निविदा सूचना न. 07/2024-25 (दूसरी कॉल)

कार्यकारी अभियंता (शहर) डिवीजन, मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई), **कमरा नं.539,4थी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई 400051** फोन नंबर (022) 66405484 द्वारा किसी भी सरकारी/अर्ध सरकारी संगठन अथवा ठेकेदारों की संबंधित समुचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के जरिए बी 1 प्रपत्र (प्रतिशत दर) में 03 कार्यों के लिए खुली/नियमित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल http:/mahatenders.gov. in पर उपलब्ध है और यहां से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किए जा सकते है।

निविदा दस्तावेज बिक्री की आरंभिक तिथि **12/12/2024** को सुबह **10.05** बजे है तथा निविदा दस्तावेज बिक्री की अंतिम तिथि **21/12/2024 को शाम 5.35 बजे** तक है। शुद्धिपत्र/संशोधन, यदि कोई होगा, तो उसे केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा। सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण दर्शाए किसी भी अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है शर्तयुक्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

Follow us:@mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/1056

म्हाडा-राष्ट्र का अग्रणी गृहनिर्माण प्राधिकरण

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (शहर),
एम. एस. आई. बी बोर्ड, मुंबई

एक और बेस्ट बस हादसा | सीएसएमटी में पैदल चल रहे व्यक्ति को कुचला

मुंबई। मुंबई के कुर्ला में बेस्ट बस के हादसे ने पूरे महाराष्ट्र को हिलाकर रख दिया। कुर्ला एलबीएस रूट पर एक तेज रफ्तार बस से ड्राइवर के नियंत्रण खो देने से भयानक हादसा हो गया था। यह घटना अभी ताजा ही थी कि सीएसएमटी इलाके में एक और बेस्ट बस का एक्सीडेंट हो गया। खबर है कि इस हादसे में एक शख्स की मौत हो गई है। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस क्षेत्र में बेस्ट बस ने एक व्यक्ति को कुलच दिया है। इस हादसे में व्यक्ति की

मौके पर ही मौत हो गई। जीपीओ परिसर में बेस्ट बस ने एक पैदल यात्री को कुचल दिया। पुलिस ने बस ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है।

सोमवार को कुर्ला में हुआ था बेस्ट बस हादसा

बता दें कि सोमवार रात मुंबई के कुर्ला में बेस्ट बस ने कई लोगों को कुचल दिया था। इस हादसे में अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी है। 49 घायलों का इलाज चल रहा है। घायलों को सायन और कुर्ला भाभा में भर्ती कराया गया है। हादसा कुर्ला वेस्ट रेलवे स्टेशन रोड पर अंबेडकर नगर में हुआ। यह बस कुर्ला स्टेशन से अंधेरी जा रही थी। ये बेस्ट बसें बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) द्वारा संचालित की जाती हैं। आरोपी ड्राइवर संजय मोरे (54) सोमवार को पहली बार बस चला रहा था।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

के.ई.एम. अस्पताल, परेल, मुंबई-400012.

ई-निविदा सूचना

न.केईएमएच/4653/एईएमई. दिनांक-11.12.2024

यह एक ई-निविदा सूचना है। बृहन्मुंबई के आयुक्त 'आइटम दर के आधार पर' निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

अनु. क्र.	कार्य का नाम	बयाना राशि जमा-रु.	निविदा आरंभ तिथि और समय	निविदा समाप्ति तिथि और समय
1	2	3	4	5
1	के.ई.एम. अस्पताल में विभिन्न विद्युत सेवाओं के संचालन के लिए जनशक्ति उपलब्ध कराना। **निविदा आईडी-2024_ MCGM_1123172_1**	20000/- @1%	11.12.2024 (17:00 बजे)	18.12.2024 (17:00 बजे)
2	पात्रता मानदंड (पैकेट 'ए')	19.12.2024		17:30 बजे
3.	तकनीकी बोली (पैकेट 'बी')	19.12.2024		17:45 बजे
4.	वाणिज्यिक बोली (पैकेट 'सी')	अनुसूची के अनुसार		

इच्छुक निविदाकर्ता निविदा के बारे में अधिक जानकारी के लिए (http://mahatender.gov.in) पर जाएं। निविदाकर्ता ध्यान दें कि इस निविदा सूचना के संबंध में जारी किया गया कोई भी शुद्धिपत्र केवल (http://mahatender.gov.in) पोर्टल पर ही प्रकाशित किया जाएगा। स्थानीय समाचार पत्रों में कोई शुद्धिपत्र प्रकाशित नहीं किया जाएगा।

निविदा दस्तावेज डाक द्वारा जारी या प्राप्त नहीं किए जाएंगे।

हस्ता.
पीआरओ/1939/ विज्ञा./2024-25
डीन (के.ई.एम.) अस्पताल

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

NIA की विशेष अदालत ने बांग्लादेश के 3 अवैध घुसपैठियों को दी सजा

2018 में दर्ज था फर्जीवाड़े का मामला

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (NIA) की विशेष अदालत ने भारत में अवैध घुसपैठ करने और फर्जी दस्तावेज रखने के जुर्म में तीन बांग्लादेशियों को पांच साल कैद की सजा सुनाई है। यह मामला पुणे पुलिस द्वारा मार्च 2018 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी से शुरू हुआ था, जिसमें अब सजा मिल पायी है। NIA द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार मुंबई में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत ने मोहम्मद हबीबुर रहमान हबीब उर्फ राज जेसुब मंडल, हन्नान अनवर हुसैन खान उर्फ हन्नान बाबुराली गाजी और मोहम्मद अजर अली सुभानल्लाह उर्फ राजा जेसुब मंडल पर 2,000-2,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

2018 में दर्ज की गई थी प्राथमिकी

मामले की जानकारी देते हुए NIA ने कहा कि यह मामला पुणे पुलिस द्वारा मार्च 2018 में दर्ज की गई एक प्राथमिकी से शुरू हुआ था। इस प्राथमिकी में पुणे में बिना वैध दस्तावेजों के रह रहे कई बांगलादेशी नागरिकों के बारे में जानकारी मिली थी। साथ ही यह भी पता चला था कि ये नागरिक प्रतिबंधित आतंकवादी समूह अल-कायदा के मुखौटा संगठन एबीटी के सदस्यों को मदद और समर्थन दे रहे थे। अपनी जांच के आधार पर एनआईए ने सात सितंबर, 2018 को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और विदेशी अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में तीन लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। तीनों आरोपियों को विदेशी अधिनियम की धारा 14 (वैध दस्तावेज के बिना भारत में अधिक समय तक रहने के लिए), भारतीय दंड संहिता की धारा 471 (जाली दस्तावेजों को वास्तविक के रूप में उपयोग करने के लिए) और भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (जाली दस्तावेजों से संबंधित षड्यंत्र के लिए) के तहत दोषी ठहराया गया और सजा सुनाई गई।

संपादकीय

बुढ़ापे को बुलावा

यह मौजूदा वक्त की विडंबना है कि आय बढ़ने के साथ लोगों ने घर में बने खाने की बजाय डिब्बाबंद प्रसंस्कृत खाने को तरजीह देना शुरू कर दिया है। सूचना माध्यमों के जरिये तुरत-फुरत के खाने के विज्ञापनों का इतने आक्रामक ढंग से प्रचार किया जाता है कि बच्चे क्या, बड़े भी डिब्बाबंद खाने के मुरीद होने लगते हैं। यह जानते हुए कि यह उनकी सेहत पर भारी है। जब घर के बड़े-बुजुर्ग इससे बचाव की सलाह देते हैं तो वे इसे पुरातनपंथी सोच करार दे देते हैं। लेकिन डिब्बाबंद खाने की मुहिम चलाने वाले पश्चिमी देशों को भी अब अहसास हो चला है कि डिब्बाबंद खाने से समय से पहले बुढ़ापा दस्तक देने लगता है। खानपान की पश्चिमी संस्कृति के वाहक इटली में हुए एक शोध ने विकसित देशों को भी नींद से जगाया है। दरअसल, इटली के इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोलॉजी के एक हालिया शोध ने फिक्र बढ़ाने वाला निष्कर्ष दिया है कि डिब्बाबंद भोजन के जरूरत से ज्यादा सेवन से व्यक्ति का शरीर समय से पहले बूढ़ा हो जाता है। वैज्ञानिकों ने बताया है कि इसके सेवन से हमारे शरीर की कोशिकाएं और ऊतक समय से पहले वृद्ध होने लगते हैं। यदि कोई व्यक्ति बहुत ज्यादा ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करता है तो बुढ़ापा जल्दी आएगा। इस शोध में करीब साढ़े बाइस हजार लोगों को शामिल किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि अधिक मात्रा में जंक फूड व प्रसंस्कृत भोजन का उपभोग करने वाले लोगों की जैविक उम्र अधिक दर्ज की गई। वैज्ञानिकों का दावा है कि हमारे खाने में शामिल प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ के मुक्त कण अन्य स्वस्थ अणुओं के विरुद्ध प्रतिक्रिया देते हैं। चिंता की बात यह है कि ये न केवल डीएनए व आरएनए बल्कि प्रोटीन को भी नुकसान पहुंचाते हैं। जिससे समय से पहले ही शरीर की कोशिकाएं मरने लगती हैं। अंततः शरीर समय से पहले बूढ़ा होने लगता है। वहीं आशंका जतायी जा रही है कि रासायनिक पदार्थों द्वारा संरक्षित डिब्बाबंद खाना हमारे शरीर में सूजन भी पैदा कर सकता है। इतना ही नहीं कालांतर व्यक्ति मोटापा, हृदय रोग, दूसरी श्रेणी के मधुमेह व गठिया जैसे रोगों का भी शिकार हो सकता है। दरअसल, खाद्य पदार्थों का बाजार चलाने वाली कंपनियों की कोशिश होती है कि खाने को देर तक संरक्षित किया जाए। खाद्यान्न को प्रसंस्कृत करने के लिये सुरक्षित रखने वाले रासायनिक पदार्थों व सोडियम का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा अधिक मात्रा में चीनी तथा शरीर के लिये नुकसानदायक रसायन, वसा व कार्बोहाइड्रेट भी खाने को देर तक चलने लायक बनाने के लिये इस्तेमाल किए जाते हैं। जो आखिरकार हमारी सेहत से खिलवाड़ ही करते हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ कंपनियां अधिक मात्रा में स्टार्च का भी प्रयोग करती हैं। ये कालांतर शरीर में शूगर बढ़ने से मधुमेह का खतरा पैदा कर सकती हैं। अधिक तेल भी सेहत के लिये घातक होता है। सेहत वैज्ञानिक लंबे अरसे से कहते रहे हैं कि डिब्बाबंद खाना व जंकफूड शरीर में मोटापा बढ़ाता है। दरअसल, इसमें विद्यमान ट्रांस फैट कालांतर शरीर में कोलेस्ट्रॉल को बढ़ा देता है। इससे बाद में कई तरह के रोग पैदा हो जाते हैं। विशेषकर दिल के रोगों के लिये यह घातक साबित हो सकता है। एक अध्ययन बताता है कि हाल के वर्षों में भारतीयों के खाने में डिब्बाबंद भोजन का हिस्सा बढ़ा है। एक भारतीय रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि नई पीढ़ी घरों में खाना बनाने के बजाय डिब्बाबंद खाने को तरजीह दे रही है। जो कालांतर गैर संक्रामक रोगों को ही बढ़ावा देता है। विडंबना यह कि मां-बाप के मना करने के बावजूद नई पीढ़ी के किशोर व बच्चे डिब्बाबंद खाने और फास्ट फूड को अपना मुख्य भोजन बना रहे हैं। यही वजह है कि बड़ी उम्र में होने वाले लाइफस्टाइल के रोग अब बच्चों व किशोरों में भी होने लगे हैं। निश्चित ही इटली में हुआ शोध हमारी आंख खोलने वाला होना चाहिए। लोगों को डिब्बाबंद भोजन से परहेज करने के लिये जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है।

‘आयुष्मान’ पर केंद्र व दिल्ली सरकार में घमासान

ज्ञानेन्द्र रावत

आयुष्मान योजना को लेकर केन्द्र और दिल्ली की आप सरकार के बीच विवाद स्पष्ट रूप से दिखता है। हालांकि यह विवाद मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ा है, परन्तु यह केवल इस योजना तक सीमित नहीं है। दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार के बीच पिछले एक दशक में कई अन्य जनहितकारी योजनाओं पर भी मतभेद सामने आए हैं। दोनों सरकारों के बीच यह टकराव राजनीतिक और प्रशासनिक दृष्टिकोण से बढ़ता ही जा रहा है, जिससे जनता को योजनाओं का लाभ उठाने में कई बार असमंजस का सामना करना पड़ता है।

आम आदमी पार्टी सरकार पर आरोप है कि वह आयुष्मान योजना को लागू नहीं कर रही, जिससे दिल्ली के लोग स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित हो रहे हैं। हाल ही में दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा सांसदों द्वारा दायर जनहित याचिका पर संज्ञान लेते हुए दिल्ली सरकार की कड़ी आलोचना की। कैसी विडम्बना है कि सरकार जन कल्याण के हित को नजरंदाज कर राजनीतिक विचारधाराओं के टकराव का रास्ता अख्तियार कर रही है। पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने खुद विधानसभा में घोषणा की थी कि वे आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री आरोग्य योजना को खुद लागू करेंगे। लेकिन आज तक उसे लागू नहीं किया गया। इसके पीछे आप की राजनीतिक जिद है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने दिल्ली सरकार पर आरोप लगाया कि वह जानबूझकर 6.5 लाख से अधिक पात्र परिवारों और 70 वर्ष से ऊपर के नागरिकों को केंद्र की आयुष्मान योजना से वंचित कर रही है। इसके विपरीत, दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि उनकी सरकार पहले से ही दिल्लीवासियों को मुफ्त इलाज दे रही है और स्वास्थ्य सुविधाएं उनकी प्राथमिकता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आयुष्मान योजना लागू करने में कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन वे दिल्ली सरकार की मौजूदा योजनाओं को बंद नहीं करना चाहते, क्योंकि दोनों योजनाओं में कुछ विरोधाभास हैं।

आयुष्मान योजना में कुछ शर्तें और श्रेणियां हैं, जिनके तहत यदि किसी परिवार के पास फ्रिज, दोपहिया वाहन या पक्का मकान हो, तो उसे इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा, आयुष्मान योजना में एक परिवार के लिए प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक इलाज की सीमा तय की गई है। यदि एक परिवार में दो लोग बीमार होते हैं, तो अतिरिक्त खर्च उन्हें अपनी जेब से करना पड़ेगा। उदाहरण के लिए, यदि इलाज का खर्च 10 लाख रुपये है, तो पांच लाख रुपये का अतिरिक्त भुगतान परिवार को करना होगा। इसके विपरीत, दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में कोई खर्च सीमा नहीं है। दिल्ली सरकार आयुष्मान योजना के साथ अपनी स्वास्थ्य सुविधाओं को लागू करने पर काम कर रही है, ताकि दोनों योजनाओं के लाभ एक साथ नागरिकों को मिल सकें और इसमें कोई व्यवधान न आये। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना का लाभ लेने के लिए कुछ विशेष मानदंडों की पूर्ति जरूरी है, जबकि दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में सरकारी अस्पतालों में गरीब से लेकर अमीर तक, सभी को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलती है, बिना किसी खर्च सीमा के। अगर दिल्ली सरकार को आयुष्मान योजना लागू करने की वास्तविक इच्छा होती, तो यह योजना पहले ही लागू हो चुकी होती। दिल्लीवासियों को चाहे केंद्र की योजना हो या राज्य की, दोनों से लाभ मिल सकता था। मुख्यमंत्री का यह कहना कि वे आयुष्मान योजना लागू करना चाहते हैं, इसे समझना मुश्किल है, क्योंकि यह लोकहितकारी नीति के खिलाफ लगता है।

गौरतलब है कि अक्तूबर, 2024 तक केन्द्र शासित प्रदेश सहित देश के अन्य 36 राज्यों में से 33 में इस योजना को लागू किया जा चुका है। दिल्ली में इस योजना को लागू करने में आप पार्टी ना-नुकर करती रही है। इसके पीछे उसके कुछ तर्क हैं। जिसके परिणामस्वरूप करीब 5 लाख लक्षित लाभार्थी इस स्वास्थ्य कवर से वंचित हैं जो उन्हें पंजीकृत सार्वजनिक और निजी अस्पतालों के विशाल नेटवर्क में देखभाल में होने वाले भारी खर्चे से बचायेगा।

दरअसल, इसमें सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि आयुष्मान योजना के संचालन में 60-40 का अनुपात है। यानी इसमें 60 फीसदी हिस्सा केन्द्र सरकार और 40 फीसदी राज्य सरकार वहन करेगी। दिल्ली में यदि यह योजना लागू होती है तो केन्द्र 47 करोड़ दिल्ली को देता। जबकि दिल्ली सरकार दिल्ली के लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा पहले से ही प्रदान कर रही है। उस दशा में वह आयुष्मान योजना के तहत 40 फीसदी अंशदान क्यों दे।

यह भी जान लें कि आयुष्मान योजना के तहत कुछ विशिष्ट बीमारियों का इलाज किया जाता है। इसके विपरीत, दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य योजना में किसी भी प्रकार की बीमारी के इलाज पर कोई विशेष बाध्यता नहीं है।

सच तो यह है कि आयुष्मान योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों यानी बीपीएल धारकों को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराना है। भाजपा सांसदों की मानें तो दिल्ली में इस योजना को लागू न करना उनके मूल अधिकारों का उल्लंघन है जबकि दिल्ली सरकार का दावा है कि दिल्ली वासियों के लिए आयुष्मान योजना किसी भी दृष्टि से लाभदायक नहीं है। बहरहाल, यह मसला दोनों दलों के लिए प्रतिष्ठा का मुद्दा बन गया है। इसे यदि यूं कहें कि यह मुद्दा पूरी तरह राजनीति प्रेरित है।

इसमें इतना जरूर है कि यदि किसी योजना में जनता का भला होता है तो उसमें बाधक नहीं बनना चाहिए। जनता का हित किसी भी तरह, कैसे भी हो और वह किसी भी योजना के तहत हो, सरकारों को उसे स्वीकार करना चाहिए। उसमें बाधक बनना किसी भी दृष्टि से न्यायोचित नहीं कहा जा सकता।

जीवन मंत्र

व्यक्ति के जीवन को बनाने के साथ बिगाड़ भी सकती हैं ये चीजें

किसी भी चीज को ज्यादा महत्व देने से बचना चाहिए। क्योंकि अगर व्यक्ति इन दो मुद्दों शादी और नौकरी के प्रति अति गंभीर रहेगा। अगर आपने दोनों परीक्षाएं पार कर लीं वो जीवन में उत्तीर्ण हो गया।

आम आदमी अपने दिन का पूरा समय इन दो जगहों पर बिताता है वो है घर या फिर दफ्तर में। जैसी व्यक्ति की संगति होती है वैसी ही उसकी मति हो जाती है। इसलिए जरूरी होता है कि व्यक्ति हमेशा अपने लिए सही वातावरण चुनना चाहिए, जिससे वह सही पथ पर चले।

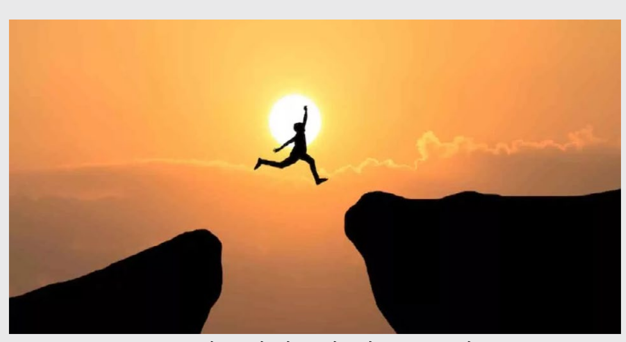

आचार्य प्रशांत के अनुसार, एक व्यक्ति किस आधार पर विवाह करता है या फिर कैसी संगति चुनता है। यह महत्व की बात है कि वह व्यक्ति किसके साथ रह रहा है। आप चाहे विवाह करके रह रहे हो या फिर बिना विवाह करके अपनी जीवन व्यय कर रहा हो। ऐसे में व्यक्ति को जरूर हमेशा याद रखना चाहिए कि वह अपने जीवनसाथी का चयन किस आधार पर कर रहा है। हर एक छोटी बात जैसे कि वह व्यक्ति अब से लगातार मेरे कमरे में रहेगा? किसके शब्द लगातार पड़ने लग गए हैं तुम्हारे कानों में? इन चीजों को याद करके ही निर्णय लेना चाहिए।

क्योंकि इसी बात पर तुम्हारी जिंदगी या तो बन जाएगी या बिल्कुल बर्बाद हो जाएगी। आचार्य प्रशांत आगे कहते हैं कि यहीं बात दफ्तर के लिए है कि दिन के आठ से दस घंटे आप किन लोगों की शक्लें देखते हैं या आर अपना बॉस बोलते हो, वो यूं ही है कोई सड़क का आदमी जो तुम्हारी जिंदगी पर अब अधिकार रखने लग गया है तो तुम बर्बाद हो जाओगे। यही बात दफ्तर के माहौल पर और धंधे की प्रकृति पर लागू होती है। तुम्हारी संस्था किस तरह का व्यवसाय करती है और तुम्हारे काम में किस तरह के लोग लगे हुए हैं? ये कोई छोटी बात है क्या? यही तो जिंदगी है। एक व्यक्ति दिनभर की रोजमर्रा वाली जिंदगी में क्या देख रहा है? क्या सुन रहे हो? क्या खा रहा है? क्या पी रहे हो? क्या सोच रहे हो? किस दिशा में कर्म कर रहे हो? कहां से तुम्हारी प्रेरणाएं आ रही हैं? हर एक चीज को व्यक्ति को साधारण लेना चाहिए।

किसी भी चीज को ज्यादा महत्व देने से बचना चाहिए। क्योंकि अगर व्यक्ति इन दो मुद्दों शादी और नौकरी के प्रति अति गंभीर रहेगा। अगर आपने दोनों परीक्षाएं पार कर लीं वो जीवन में उत्तीर्ण हो गया। ऐसे में व्यक्ति को हर काम में सफलता पाने के साथ तनावमुक्त जीवन जिएंगा।

जीवन ऊर्जा

गुस्ताव फ्लोबेयर: जन्म 12 दिसंबर 1821

जन्म

गुस्ताव फ्लोबेयर का जन्म 12 दिसंबर 1821 को फ्रांस में हुआ था। वे साहित्य की दुनिया के महान उपन्यासकार थे, जिन्हें "मैडम बोवेरी" जैसे यथार्थवादी उपन्यासों के लिए जाना जाता है। उनकी लेखन शैली को गहन और विश्लेषणात्मक माना जाता है। उनका निधन 8 मई 1880 को हुआ।

सफलता एक परिणाम है, न कि एक लक्ष्य

लेखन की कला, यह जानने की कला है कि आप क्या मानते हैं। अपने जीवन में नियमित और व्यवस्थित रहें, ताकि आप अपने काम में मौलिक और उग्र हो सकें।

अस्तित्व को सहन करने का एकमात्र तरीका है, साहित्य में खो जाना, जैसे कि यह एक अनंत उत्सव हो। मूर्खता यह है कि निष्कर्ष निकालने की कोशिश करें।मानव भाषा एक टूटी हुई केतली की तरह है, जिस पर हम भालुओं को नचाने के लिए बेसुरे सुर बजाते हैं, जबकि हम ऐसी संगीत बनाना चाहते हैं जो तारों को पिघला दे। यात्रा आपको विनम्र बनाती है। आप देखते हैं कि दुनिया में आप कितनी छोटी जगह घेरते हैं। जीवन का कोई भी अंश ऐसा नहीं है जिसमें कविता न हो।पढ़ो, बच्चों

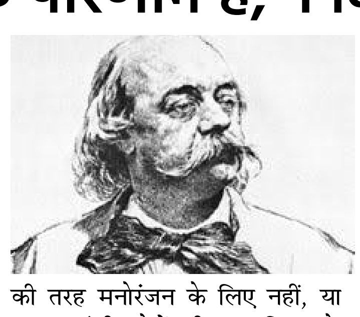

की तरह मनोरंजन के लिए नहीं, या महत्वाकांक्षी लोगों की तरह शिक्षा के लिए नहीं। नहीं, जीने के लिए पढ़ो।

लोकतंत्र का पूरा सपना यह है कि मजदूर वर्ग को उस मूर्खता के स्तर तक लाया जाए, जो बुर्जुआ वर्ग पहले ही हासिल कर चुका है। उत्साह स्वाद से बेहतर है। सफलता एक परिणाम है, न कि एक लक्ष्य। आप अच्छे इरादों से कला नहीं बनाते। एक लेखक को ब्रह्मांड में भगवान की तरह होना चाहिए, हर जगह उपस्थित लेकिन कहीं भी दिखाई नहीं देना चाहिए। दिल, पेट की तरह, विविध आहार चाहता है। कुछ भी रोचक बन सकता है, अगर आप इसे लंबे समय तक देखें। खुशी एक विकृति है!

जो इसे खोजने की कोशिश करता है, वह दंडित होता है। जो सुंदर है, वही नैतिक है, बस यही सच है। भविष्य वर्तमान का सबसे बुरा हिस्सा है। बहुत अधिक उम्मीद मत करो। सबसे बुरे की अपेक्षा करो, ताकि निराशा से बचा जा सके।

शब्दों की अपनी सुंदरता होती है; आप उनसे नशे में हो सकते हैं। इतिहास की अज्ञानता हमें अपने समय की निंदा करने पर मजबूर करती है।

सक्सेस मंत्र

हर सफल व्यक्ति समय की इज्जत करता है

सफल लोगों को देखकर अक्सर यह ख्याल कई लोगो के मन में आता होगा कि आखिर ये लोग जीवन में ऐसा क्या करते हैं, जिसकी वजह से यह अपने जीवन में इतनी सफलता हासिल कर पाए हैं। अगर आप भी इन लोगों की लिस्ट में शामिल हैं तो आपको बता दें, किसी व्यक्ति को कामयाबी यूं ही हासिल नहीं होती, इसके लिए उसे कुछ नियमों का सख्ती से पालन करना होता है। इन नियमों को अपनी आदत बनाने से ही व्यक्ति कामयाबी की ऊंचाइयों को छू सकता है। आइए जानते हैं सफलता हासिल करने के ऐसे ही कुछ नियमों के बारे में। हर सफल व्यक्ति समय की इज्जत करता है। किसी भी काम में लेटलतीफी उसके नेचर में नहीं होती है। वह इस बात को बखूबी जानता है कि समय की कद्र नहीं करने पर व्यक्ति को हमेशा नुकसान उठाना पड़ता है। देरी से किया गया काम कामयाबी की राह को मुश्किल बना सकता है। ऐसे में अगर आप भी जीवन में सफलता हासिल करना चाहते हैं तो हमेशा समय के पाबंद रहना सीखें। आत्मविश्वास की कमी होने पर व्यक्ति कोई भी काम अच्छी तरह नहीं कर सकता है। खुद को सफल बनाने के लिए आपके भीतर आत्मविश्वास का मजबूत होना बेहद जरूरी है। सफल लोगों की तरह खुद को किसी से कम न समझें, बल्कि खुद को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहें। अपनी गलतियों को स्वीकार करके उनसे सबक लेना कामयाबी की तरफ बढ़ाया गया एक कदम है। ध्यान रखें, गलतियां करने से नई सीख मिलती है ताकि उस गलती को दोबारा करने से बचा जा सके। ऐसा करने से व्यक्ति अपनी कामयाबी का रास्ता जल्दी तय कर लेता है।

सफल व्यक्ति कभी भी सही मौके का इंतजार नहीं करते हैं बल्कि सफल होने के लिए खुद से मौका तलाश करते हैं। अगर आप भी खुद को सफल देखना चाहते हैं तो जो काम करना है, उसकी योजना बनाकर उस पर काम करना शुरू कर दें, इस बात का इंतजार न करें कि अच्छा समय आएगा तब यह काम करेंगे। आपकी यह सोच आपके हाथ से समय निकाल देगी और आप बाकी लोगों से पिछड़ते चले जाएंगे। हर सफल व्यक्ति शरीर और मस्तिष्क को सेहतमंद बनाए रखने के लिए व्यायाम को अपने रूटिन में जरूर शामिल रखता है। शारीरिक तौर पर मजबूत होने पर ही व्यक्ति अपने लक्ष्यों को उत्साह के साथ पूरा कर पाता है।

शख्सियत | शरद पवार

भारतीय राजनीति के धुरंधर

शरद पवार भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली और अनुभवी नेताओं में से एक हैं। उनका जन्म 12 दिसंबर 1940 को महाराष्ट्र के बारामती में हुआ था। राजनीति में उनकी रुचि युवा अवस्था से ही थी, और उन्होंने अपनी शुरुआत भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ की।

पवार का राजनीतिक करियर छह दशकों से भी अधिक समय तक फैला हुआ है। उन्होंने 1967 में पहली बार महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव जीता और राज्य की राजनीति में अपनी पहचान बनाई। 1978 में वे पहली बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने। इसके बाद वे तीन बार मुख्यमंत्री रहे और अपने नेतृत्व में राज्य को कृषि और औद्योगिक क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर ले गए।

1999 में शरद पवार ने कांग्रेस से अलग होकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की स्थापना की। यह कदम उन्होंने सोनिया गांधी के विदेशी मूल को लेकर उठाए गए विवाद के बाद लिया। एनसीपी आज महाराष्ट्र की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

पवार राष्ट्रीय स्तर पर भी सक्रिय रहे। वे रक्षा मंत्री (1991-93) और कृषि मंत्री (2004-14) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे। कृषि मंत्री के रूप में उन्होंने किसानों के लिए कई महत्वपूर्ण नीतियां लागू कीं, लेकिन उन पर कुछ विवाद भी हुए।

शरद पवार की राजनीति को उनकी दूरदर्शिता, कुशल रणनीति और विवादों के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वियों के साथ संवाद स्थापित करने की क्षमता के लिए जाना जाता है। उन्हें 'मराठा क्षत्रप' भी कहा जाता है, जो उनके प्रभाव और करिश्माई व्यक्तित्व को दर्शाता है।

व्यक्तिगत जीवन में, वे साधारण और सादगी पसंद हैं। उनका परिवार भी राजनीति में सक्रिय है, जिसमें उनकी बेटी सुप्रिया सुले प्रमुख चेहरा हैं।

आज, शरद पवार न केवल महाराष्ट्र, बल्कि पूरे भारत की राजनीति में एक मजबूत स्तंभ बने हुए हैं। उनकी गहरी राजनीतिक समझ और अनुभव उन्हें एक अद्वितीय नेता के रूप में स्थापित करते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

राधे रानी ही भगवान श्री कृष्ण की आद्य शक्ति हैं

राधे तू बड़भागिनी कौन तपस्या कीन
तीन लोक तारण तरण सो तेरे आधीन।
हमारो धन राधे श्री राधे श्री राधे हमारो धन राधे श्री राधे श्री राधे।।

गोवर्धन लीला के बाद समस्त ब्रजमंडल में कृष्ण के नाम की चर्चा होने लगी। सभी ब्रजवासी कृष्ण की जयजयकार कर रहे थे और उनकी महिमा का गान कर रहे थे।

ब्रज के गोपगोपियों के मध्य कृष्ण की ही चर्चा थी। एक स्थान पर कुछ गोप और गोपियाँ एकत्रित थी और यही चर्चा चल रही थी तभी एक गोप मधुमंगल बोला। इसमें कृष्ण की क्या विशेषता है यह कार्य तो हम लोग भी कर सकते है। वहां राधा रानी की सखी ललीता भी उपस्थित थी। वह तुरंत बोल उठी हां हां देखी है। तुम्हारी योग्यताजब कृष्ण ने पर्वत उठाया था तो तुम सभी ने अपनी-अपनी लाठियां पर्वत के नीचे लगा रखी थी और कान्हा से हाथ हठा लेने के लिए कहा था। हाथ हठाना तो दूर कान्हा ने थोड़ी से अंगुली टेढ़ी की और तुम सब की लाठियां चटाचट टूट गई थी। तब तुम सब मिलकर यही यही बोले थे। कान्हा तुम्ही संभालो तब कान्हा ने ही पर्वत संभाला था। यह सुनकर मधुमंगल बोला हाँ हाँ मान लिया कि कान्हा ने ही संभाला, किन्तु हम ने प्रयास तो किया

तुमने क्या किया। यह सुनकर ललिता बोली हां हां देखी है तुम्हारे कान्हा की भी शक्ति माना हमने कुछ नहीं किया, किन्तु हमारी सखी राधारानी ने तो किया। मधुमंगल बोला अच्छा जी राधा रानी ने क्या करा तनिक यह तो बताओ।

ललीता ने उत्तर दिया पर्वत तो हमारी राधारानी ने ही उठाया था। कृष्ण का तो बस नाम हो गया। यह सुनकर सभी गोप सखा हंसने लगे और बोले लो जी अब यह राधा रानी कहाँ से आ गई। पर्वत उठाया कान्हा ने हाथ दुखे कान्हा के, पूरे सात दिन एक स्थान पर खडे रहे कान्हा, ना भूंख की चिंता ना प्यास की ना थकान का कोई भावना कोई दर्द सब कुछ किया कान्हा ने और बीच में आ गई राधा रानी। तब ललीता बोली लगता है जिस समय कान्हा ने पर्वत उठाया था उस समय तुम लोग कही और थे। अन्यथा तुमको भी पता चल जाता कि पर्वत तो हमारी राधारानी ने ही उठाया था। यह सुनकर सभी गोपसखा बोले ऐसी प्रलयकारी स्थिति में कही और जाकर हमको क्या मरना था। एक कृष्ण ही तो हम सबका आश्रय थे, जिन्होंने सबके प्राणों की रक्षा की। ललीता बोली तब भी तुमको यह नहीं पता चला कि पर्वत हमारी राधारानी ने उठाया था। सभी गोपसखा बोले हमने तो ऐसा कुछ भी नहीं देखा। तब ललीता बोली अच्छा यह बताओ कि कान्हा ने पर्वत किस हाथ से उठाया था। मधुमंगल बोला कान्हा ने तो पर्वत अपने बायें हाथ से ही उठा दिया था। दायें हाथ की तो आवश्यकता ही नहीं पड़ी। तब ललीता बोली-तभी तो मैं कहती हूँ कि पर्वत हमारी राधारानी ने उठाया। कृष्ण ने नहीं यदि कृष्ण अपनी शक्ति से पर्वत उठाते तो वह दायें हाथ से उठाते, किन्तु उन्होंने पर्वत बायें हाथ से उठाया। क्योंकि किसी भी पुरुष का दायां भाग उसका स्वयं का तथा बायाँ भाग स्त्री का प्रतीक होता है। जब कान्हा ने पर्वत उठाया तब उन्होंने श्री राधारानी का स्मरण किया और तब पर्वत उठाया इसी कारण उन्होंने पर्वत बाएं हाथ से उठाया कृष्ण के स्मरण करने पर श्री राधा रानी ने उनकी शक्ति बन कर पर्वत को धारण किया। अब किसी भी बालगोपाल के पास ललीता के इस तर्क का कोई उत्तर नहीं था। सभी निरुत्तर हो गए और ललीता राधे-राधे गुनगुनाती वहां से चली गई। यह सत्य है कि राधे रानी ही भगवान श्री कृष्ण की आद्य शक्ति है, जब भी भगवान कृष्ण ने कोई विशेष कार्य किया पहले अपनी शक्ति का स्मरण किया। श्री राधा रानी कृष्ण की शक्ति के रूप में सदा कृष्ण के साथ रही इसलिए कहा जाता है कि श्री कृष्ण को प्राप्त करना है तो श्री राधा रानी को प्रसन्न करना चाहिए। जहाँ राधा रानी होंगी वहां श्री कृष्ण स्वयं ही चले आते हैं। यही कारण है कि भक्त लोग कृष्ण से पहले राधा का नाम लेते हैं।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

क्लाउड आर्किटेक्ट के रूप में करियर बनाएं

आजकल तकनीकी दुनिया में क्लाउड कंप्यूटिंग एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, और इसका प्रभाव हर उद्योग में बढ़ता जा रहा है। जिस तरह से इंटरनेट और डाटा सेंटर की अहमियत बढ़ी है, उसी तरह क्लाउड आर्किटेक्ट्स की मांग भी तेजी से बढ़ी है। अगर आप भी इस क्षेत्र में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो यह लेख आपके लिए मददगार साबित होगा। हम यहां क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए आवश्यक शिक्षा, कौशल, टिप्स, और ट्रिक्स पर चर्चा करेंगे।

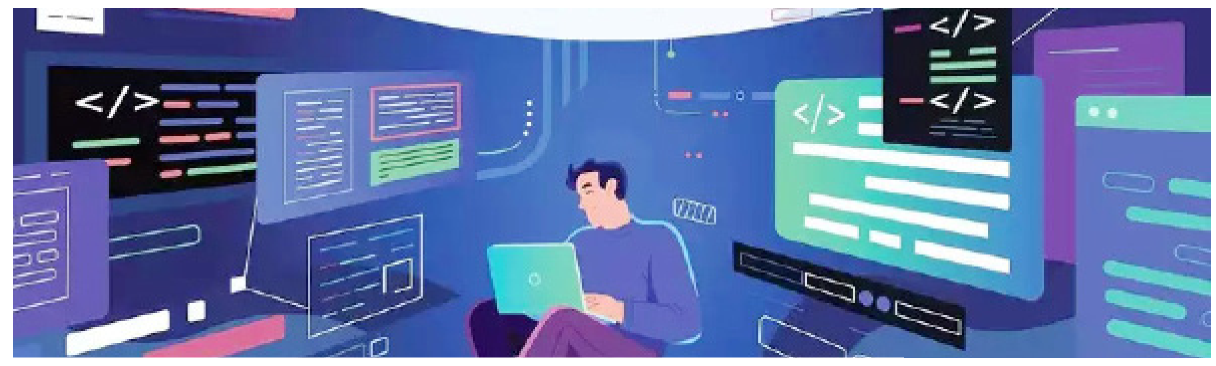

क्लाउड आर्किटेक्ट क्या होता है?

क्लाउड आर्किटेक्ट एक तकनीकी पेशेवर होता है जो क्लाउड प्लेटफॉर्म पर आधारित सेवाओं और संसाधनों को डिजाइन, विकसित और प्रबंधित करता है। यह व्यक्ति क्लाउड प्लेटफार्म पर आधारित इंफ्रास्ट्रक्चर, एप्लिकेशन, नेटवर्क और सुरक्षा सिस्टम को ऐसे तरीके से डिज़ाइन करता है, जो व्यवसायों की ज़रूरतों को पूरा कर सके। उदाहरण के तौर पर, AWS (Amazon Web Services), Microsoft Azure, और Google Cloud जैसी सेवाओं का इस्तेमाल करते हुए, वह इनकी संरचना को सुनिश्चित करता है कि वे सुरक्षित, स्केलेबल और सशक्त हों।

शिक्षा

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए सही शिक्षा प्राप्त करना बहुत जरूरी है। आमतौर पर, इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए निम्नलिखित शैक्षिक पृष्ठभूमि की आवश्यकता होती है:

बीटेक या बीई (B.Tech/BE):

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए सबसे सामान्य शैक्षिक पृष्ठभूमि कंप्यूटर साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी (IT) या सॉफ़्टवेयर इंजीनियरिंग में होती है। बीटेक या बीई की डिग्री आपको तकनीकी और गणितीय कौशल सिखाती है जो क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए जरूरी हैं।

स्नातकोत्तर (M.Tech या MCA):

आपका स्नातकोत्तर शिक्षा, जैसे M.Tech या MCA, आपके क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के रास्ते को और मजबूत कर सकता है। इससे आपको तकनीकी और उन्नत विषयों की समझ बेहतर हो सकती है।

ऑनलाइन कोर्स और सर्टिफिकेट:

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए कुछ प्रमुख ऑनलाइन कोर्स और सर्टिफिकेट भी बहुत फायदेमंद हो सकते हैं। जैसे, AWS, Microsoft Azure, और Google Cloud के प्रमाणपत्र आपको क्लाउड प्लेटफॉर्म पर विशिष्ट और गहरी समझ प्रदान करते हैं। आप Coursera, Udemy, और LinkedIn Learning जैसी प्लेटफार्म से ऐसे कोर्स कर सकते हैं।

अनुभव

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए अनुभव बेहद महत्वपूर्ण है। बिना अनुभव के, सिर्फ शिक्षा और प्रमाणपत्र से कुछ खास हासिल नहीं होता। आप निम्नलिखित तरीकों से अनुभव प्राप्त कर सकते हैं:

इंटर्नशिप:

आप एक अच्छे क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए इंटर्नशिप कर सकते हैं। यहां आपको विभिन्न क्लाउड प्लेटफार्मों पर काम करने का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा।

फ्रीलांस प्रोजेक्ट्स:

अगर आपको फुल-टाइम काम नहीं मिल रहा है, तो आप फ्रीलांस प्रोजेक्ट्स पर काम करके भी अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए Upwork, Freelancer, और Fiverr जैसे प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नेटवर्किंग:

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए आपको पेशेवर नेटवर्किंग का भी हिस्सा बनना होगा। GitHub, LinkedIn, और अन्य पेशेवर नेटवर्क पर सक्रिय रहकर आप नए अवसरों से जुड़ सकते हैं।

समय और निरंतरता

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने का रास्ता सरल नहीं है, लेकिन निरंतर प्रयास और समय देने से आप इसमें सफलता पा सकते हैं। यह एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है, लेकिन अगर आप सही दिशा में प्रयास करेंगे, तो आप जल्द ही अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

कौशल

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए आपको कुछ विशिष्ट कौशल की आवश्यकता होती है। इन कौशलों का अभ्यास करके आप इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकते हैं:

क्लाउड प्लेटफार्म का ज्ञान:

AWS, Azure, Google Cloud जैसे प्रमुख क्लाउड प्लेटफार्म की गहरी समझ होना जरूरी है। इन प्लेटफार्मों पर काम करने की पूरी जानकारी आपको एक अच्छा क्लाउड आर्किटेक्ट बना सकती है।

नेटवर्किंग और सुरक्षा:

क्लाउड आर्किटेक्ट के रूप में नेटवर्किंग, क्लाउड सुरक्षा, और डेटा प्रबंधन के बारे में समझ होना बेहद महत्वपूर्ण है। क्लाउड आर्किटेक्चर डिज़ाइन करते समय सुरक्षा सबसे प्राथमिक बिंदु होता है, खासकर जब बात बड़े डेटा या संवेदनशील सूचना की हो।

सॉफ्टवेयर विकास और प्रोग्रामिंग:

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए आपको कुछ प्रमुख प्रोग्रामिंग भाषाओं जैसे Python, Java, और JavaScript पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। इसके साथ ही, आपको क्लाउड-आधारित माइक्रोसर्विसेज और एपीआई (API) डिजाइन की समझ भी होनी चाहिए।

DevOps और CI/CD:

DevOps (Development and Operations) और Continuous Integration/Continuous Deployment (CI/CD) टूल्स की समझ क्लाउड आर्किटेक्ट के लिए आवश्यक है। यह आपको ऑटोमेशन और क्लाउड सेवाओं के इंटीग्रेशन में मदद करता है।

क्लाउड आर्किटेक्चर और डिज़ाइन:

आपको क्लाउड सिस्टम की संरचना, डिज़ाइन पैटर्न, और आर्किटेक्चर डिज़ाइन की गहरी समझ होनी चाहिए। इसके अलावा, आपको यह भी समझना होगा कि एक क्लाउड प्लेटफार्म पर सर्वरलेस आर्किटेक्चर और स्केलेबल सिस्टम कैसे डिज़ाइन करें।

प्रमाणपत्र

क्लाउड आर्किटेक्ट बनने के लिए कुछ महत्वपूर्ण प्रमाणपत्र प्राप्त करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। ये प्रमाणपत्र आपकी क्षमता को प्रमाणित करते हैं और आपके करियर को नई दिशा दे सकते हैं:

- AWS Certified Solutions Architect
- Microsoft Certified: Azure Solutions Architect Expert
- Google Cloud Certified - Professional Cloud Architect
CompTIA Cloud+

इन प्रमाणपत्रों से आपको क्लाउड आर्किटेक्ट के रूप में अपने कौशल को प्रमाणित करने और नौकरी के अवसरों को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

आईआईटी धनबाद में अभी तक मिला 66 लाख का पैकेज

भर्ती करने वाली कंपनियों में 15 फीसदी की वृद्धि

आईआईटी आईएसएम धनबाद के 2024 बैच के छात्र-छात्राओं को कैंपस प्लेसमेंट में नामी-गिरामी कंपनियों की ओर से 15 लाख रुपए से लेकर 66 लाख रुपए सालाना पे पैकेज मिल रहा है। अब तक 400 से अधिक छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट हो चुका है। इनमें देश-विदेश की कंपनियों से कई इंटरनेशनल जॉब का भी ऑफर मिला है।

जानकारों की मानें तो कैंपस प्लेसमेंट में पहले दिन 164 छात्रों को 30 कंपनियों से ऑफर मिला। माइक्रोसॉफ्ट ने सबसे अधिक 16 जॉब ऑफर, एसएलबी ने 14 और फ्यूचर्स फर्स्ट ने 10 ऑफर दिया। 66 लाख रुपए लाख सालाना उच्चतम सीटीसी स्क्वायर प्वाइंट कैपिटल ने दिया है। वहीं औसत सीटीसी 25.48 लाख सालाना है।

महत्वपूर्ण यह है कि इस वर्ष भाग लेनेवाली कंपनियों में 15 फीसदी की वृद्धि और 2023 की तुलना में कैंपस प्लेसमेंट के पहले दिन के ऑफर में 6 फीसदी की वृद्धि देखी गई। वहीं दूसरे दिन आठ कंपनियों ने 37 छात्रों का चयन करने की घोषणा की। रिलायंस ने सबसे अधिक 14 ऑफर, अकॉर्डियन (मेरिलिटिक्स) ने 8 और एमेडस सॉफ्टवेयर लैब ने 5 ऑफर दिए। 30.5 लाख सालाना पे पैकेज मैंत्रा ने दिया। जानकारों का कहना है कि कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, ईसीई, मैकेनिकल समेत अन्य ब्रांच के छात्र-छात्राओं की मांग अधिक है।

किस कंपनी से कितना जॉब ऑफर

माइक्रोसाफ्ट 16, फ्यूचर फर्स्ट 10, एक्सॉन मोबिल 9, एक्सेला 8, टेक्सस इंस्ट्रूमेंट 6, टाटा मोटर्स 5, वॉनर्र ब्रॉस डिस्कवरी 4, बजाज ऑटो 4, एसएलबी 14, मीशो 9, फोन पे 9, ओएनजीसी 6, एसआरआईबी 3, एचसीएल 3, गूगल 2, रिलायंस पेट्रो 9, एक्सेंचर इंडिया 7, एरिस्ट्रा नेटवर्क 5, एसेंचर जापान 3, फ्लिपकार्ट बीडी 3, इंटेल 2, रिलायंस 14 समेत अन्य कंपनियों ने जॉब ऑफर किया है।

नीट पीजी 15 जून को, जानें क्या है MBBS इंटर्नशिप पूरी करने की तिथि

नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) 15 जून को नीट पीजी 2025 परीक्षा आयोजित करेगा। नीट पीजी 2025 में बैठने के लिए अनिवार्य एमबीबीएस इंटर्नशिप पूरा करने की तिथि 31 जुलाई, 2025 तय की गई है। देश की करीब 52000 पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल सीटों के लिए हर साल करीब दो लाख एमबीबीएस ग्रेजुएट परीक्षा देते हैं। एनएमसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट **www.nmc.org.in** पर नोटिस जारी कर इसकी जानकारी दी है। आपको बता दें कि कुछ दिन पहले नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज ने 2025 सत्र के लिए परीक्षा कैलेंडर जारी किया था। कैलेंडर में नीट एसएस और नीट एमडीएस परीक्षाओं की परीक्षा तिथियां शामिल थीं लेकिन इसमें नीट पीजी के बारे में नहीं बताया गया था।

आपको बता दें कि नीट पीजी परीक्षा से ही देश के मेडिकल कॉलेजों में एमडी, एमएस जैसी मेडिकल पीजी सीटों (**MD**, **MS**, **MDS**, **DNB**)पर दाखिला होता है। उम्मीदवार नीट पीजी की आधिकारिक अपडेट **nbe.edu.in** या **https://natboard.edu.in** पर जाकर ले सकते हैं।

नीट पीजी कटऑफ क्या है

अनारक्षित श्रेणी के लिए नीट पीजी कट ऑफ परसेंटाइल 50 है, एससी/एसटी/ओबीसी के लिए यह 40 है और अनारक्षित दिव्यांग के लिए यह 45 है।

नीट पीजी काउंसलिंग 2024 का शेड्यूल रिवाइज्ड

मेडिकल काउंसलिंग कमेटी ने नीट पीजी काउंसलिंग 2024 का रिवाइज्ड शेड्यूल जारी किया है। रिवाइज्ड शेड्यूल के अनुसार, राउंड 2 च्वॉइस फिलिंग/लॉक करने की सुविधा 11 दिसंबर, 2024 को बंद हो जाएगी। च्वॉइस फिलिंग लिंक 11 दिसंबर को सुबह 8 बजे तक एक्टिव रहेगा और च्वॉइस लॉकिंग सुविधा 10 दिसंबर को शाम 4 बजे शुरू होगी और 11 दिसंबर को सुबह 8 बजे बंद होगी। सीट आवंटन की प्रक्रिया 11 से 12 दिसंबर 2024 तक चलेगी। इसके बाद राउंड 2 सीट अलॉटमेंट रिजल्ट 12 दिसंबर 2024 को जारी किया जाएगा। आवंटित कॉलेज या इंस्टीट्यूट में रिपोर्टिंग करने का समय 13 दिसंबर से 20 दिसंबर 2024 है। एमसीसी द्वारा डेटा साझा करने वाले इंस्टीट्यूट द्वारा शामिल उम्मीदवारों के डेटा का वेरिफिकेशन 21 दिसंबर से 22 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: आज धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कुबुद्धि हावी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। मित्रों से संबंध सुधरेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

वृष: वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। दूसरों के कार्य में दखल न दें। बड़ों की सलाह मानें। लाभ होगा। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। मानसिक बेचैनी रहेगी।

मिथुन: प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मियों का साथ मिलेगा।

कर्क: अपनी कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। किसी अपने के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। शारीरिक कष्ट संभव है। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं।

सिंह: कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। मातहतों का सहयोग नहीं मिलेगा। कुसंगति से बचें, हानि होगी।

कन्या: आज लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। धैर्य रखें।

तुला: शत्रु पस्त होंगे। सुख के साधन जुटेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। लंबे समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी।

धनु: आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन आ सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। लॉटरी व सट्टे से दूर रहें। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। विवाद से क्लेश होगा। दूसरों के उकसाने में न आएं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है।

कुंभ: आज शारीरिक कष्ट संभव है। तनाव बना रहेगा। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मीन: आज आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

अशुभ ग्रहों से निजात पाने के सरलतम उपाय...

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार 9 ग्रहों का प्रभाव सभी प्राणियों पर होता है। यहां तक कि जल और पेड़-पौधों पर भी इनका प्रभाव पड़ता है। इन ग्रहों का शुभ फल पाने के लिए और उनके दुष्प्रभाव को शांत करने के लिए ज्योतिष में कई उपाय बताए गए हैं जिनका विधि-विधान से पालन करें तो अवश्य ही लाभ मिलता है। यहां आपके लिए प्रस्तुत है अशुभ ग्रहों से निजात पाने के सरलतम उपाय...

सूर्य :

- सूर्य को जल दें।
- पिता की सेवा करें।
- गेहूं और तांबे का बर्तन दान करें।

चंद्र :

- किसी मंदिर में कुछ दिन कच्चा दूध और चावल रखें।
- माता की सेवा करें।
- चन्द्र के लिए चावल, दूध एवं चांदी की वस्तुएं दान करें।

मंगल :

- मंगलवार को बंदरों को भुने चने और गुड़ खिलाएं।
- बड़े भाई-बहन की सेवा करें।
- मंगल के लिए साबुत, मसूर की दाल दान करें।

प्रियंका जैन
9769994439

बुध :

- तांबे के पैसे में सूराख करके बहते पानी में बहाएं।
- फिटकरी से दांत साफ करें।
- साबुत मूंग का दान करें।
- मां दुर्गा की आराधना करें।

बृहस्पति :

- केसर का तिलक रोजाना लगाएं।
- कुछ मात्रा में केसर खाएं और नाभि या जीभ पर लगाएं।
- चने की दाल या पीली वस्तु दान करें।

शुक्र :

- गाय की सेवा करें।
- घर तथा शरीर को साफ-सुथरा रखें।
- गाय को हरा चारा डालें।
- दही, घी, कपूर का दान करें।

शनि :

- शनि के दिन पीपल पर तेल का दीया जलाएं।
- किसी बर्तन में तेल लेकर उसमें अपनी छाया देखें और बर्तन तेल के साथ दान करें।
- हनुमान जी की पूजा करे और बजरंग बाण का पाठ करें।
- काले साबुत उड़द एवं लोहे की वस्तु का दान करें।

राहु :

- जौ या मूली या काली सरसों का दान करें।

केतु :

- चींटियों को आटा खिलाएं।
- काला सफेद कंबल कोढ़ियों को दान करें।

खबर संक्षेप

शादी के 8वें दिन दूल्हे को छोड़कर भागी दुल्हन

जमुई। बिहार के जमुई से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के आठवें दिन दुल्हन अपने दूल्हे को छोड़कर फरार हो गई। हालांकि इस दूल्हे के साथ यह घटना पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले भी इस युवक को दो पत्नी छोड़कर फरार हो चुकी है। पहली पत्नी शादी के दो दिन बाद और दूसरी पत्नी डेढ़ महीने के अंदर छोड़कर चली गई। अब तीसरी पत्नी के छोड़ के जाने के बाद दूल्हे ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है। मंगलवार की शाम दुल्हे ने टाउन थाने में लिखित शिकायत देकर न्याय की गुहार लगाई है। पूरी घटना जमुई जिले के मलयपुर थाना अंतर्गत मलयपुर बस्ती टोला का है। यहां के रहने वाले बब्लू कुमार शर्मा के साथ यह घटना हुई है। पीड़ित युवक बब्लू कुमार शर्मा के अनुसार, 2 दिसंबर 2024 को उसकी शादी खैरा प्रखंड क्षेत्र के जीतझिंगोई की रहने वाली टीना कुमारी से हुई थी। शादी के 8 दिन बाद वह अपने ससुराल से पत्नी की विदाई कराकर घर लौट रहा था। इसी दौरान जमुई मुख्यालय स्थित मुख्य बाजार महाराजगंज में दुल्हन ने उसे श्रृंगार का सामान लाने के लिए कहा। जब पीड़ित दुल्हा सामान लेकर लौटा तो उसकी पत्नी गायब थी। युवक ने अपनी पत्नी के मोबाइल पर फोन लगाया तो उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद युवक ने घटना की जानकारी दुल्हन के मायके वाले को दी। लेकिन उसकी कोई सूचना नहीं मिली। काफी खोजबीन के बाद मंगलवार की शाम बब्लू ने टाउन थाने में दुल्हन के फरार होने की शिकायत की। बब्लू की शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

पछुआ हवा ने पैदा की कनकनी

पटना। बिहार में पछुआ हवा चलने से ठंड बढ़ गई है। राजधानी पटना समेत कई शहरों में तापमान धड़ाम से गिरा है। उत्तर बिहार की तरह दक्षिण बिहार में भी कोहरा बढ़ रहा है। तराई इलाकों में बुधवार को घना कोहरा छाया रहा। डेहरी सबसे ठंडा रहा, जबकि सिवान सबसे गर्म रहा। मौसम विभाग की माने तो गुरुवार को भी बिहार में कड़ाके की ठंड पड़ेगी। मौसम विभाग के अनुसार कोसी-पूर्णिया और भागलपुर प्रमंडल के कई जिलों में घना कोहरा छाया हुआ है। बारिश होने पर ठंड और बढ़ेगी। मौसम विभाग का कहना है कि गुरुवार को भी बिहार के कई इलाकों में घना कोहरा छाया रहेगा। कोहरे से ट्रेन और हवाई सेवा प्रभावित हो सकती है। अगर बारिश होती है तो ठंड और बढ़ सकती है। आने वाले दिनों में सर्द पछुआ हवा से ठिठुरन बढ़ सकती है। उत्तर बिहार में शाम होते ही तापमान गिर रहा है।

विधानमंडल का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से

17 को पेश हो सकता है 15 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट भी

लखनऊ। 16 दिसंबर से शुरू हो रही विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में 17 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा। महाकुंभ पर केंद्रित अनुपूरक बजट का आकार 12 से 15 हजार करोड़ रुपये के बीच होने की संभावना है। सत्र के पहल दिन औपचारिक कार्य जैसे अध्यादेशों, अधिसूचनाओं, नियमों को सदन के पटल पर रखा जाएगा और विधायी कार्य निपटाए जाएंगे।17 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया होगा। 18 दिसंबर को अनुपूरक बजट पर चर्चा होगी, जिसके बाद उसे पारित किया जाएगा। वहीं 19 और 20 दिसंबर को विधायी कार्य होंगे। कार्यक्रम के मुताबिक 20 दिसंबर को सदन आधे दिन संचालित होगा।

महाकुंभ के लिए अनुपूरक बजट का मुख्य हिस्सा

अनुपूरक बजट का मुख्य हिस्सा महाकुंभ के लिए परिवहन विभाग, नगर विकास विभाग सहित कुंभ से जुड़े अन्य विभागों को आवंटित किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त औद्योगिक विकास और एमएसएमई को भी बजट में हिस्सा दिया जाएगा।अभी विभागों के पास पूर्व में आवंटित बजट ही काफी बचा है।

इसके अलावा भारत सरकार से भी अनुदान, वित्त आयोग सहित अन्य मदों से धन आ रहा है। लगभग 2.34 लाख करोड़ रुपये मार्च तक केंद्र से मिलना है। फरवरी के दूसरे हफ्ते में पूर्ण बजट आना है, इसलिए अनुपूरक बजट का आकार छोटा ही रहने की संभावना है। अनुपूरूक बजट के लिए सभी विभागों से प्रस्ताव मांगे गए हैं। इससे पहले जुलाई में 12209 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया गया। तब बजट में सर्वाधिक 7500 करोड़ रुपये औद्योगिक विकास के लिए आवंटित किए गए थे।

नौ अध्यादेश आएंगे

- उप्र निजी विश्वविद्यालय (सातवां संशोधन) अध्यादेश 2024
- उप्र अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग (संशोधन) अध्यादेश 2024
- उप्र गो-सेवा आयोग (संशोधन) अध्यादेश 2024
- उप्र निजी विश्वविद्यालय (आठवां संशोधन) अध्यादेश 2024
- उप्र राज्य लोक सेवा आयोग (प्रकिया का विनियमन) (संशोधन) अध्यादेश
- उप्र निजी विश्वविद्यालय (नौवां संशोधन) अध्यादेश 2024
- उप्र माल और सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश 2024
- उप्र निजी विश्वविद्यालय (दसवां संशोधन) अध्यादेश 2024
- उप्र राज्य क्रीडा विश्वविद्यालय (संशोधन) अध्यादेश 2024

पिकअप से टकराई कार

- एक की मौत, 10 घायल
- घायलों का चल रहा इलाज

एजेंसी । आजमगढ़

कंधरापुर थाना क्षेत्र के बाजार और जयपुरिया स्कूल के बीच मंगलवार की देर रात लगभग 10.45 बजे गन्ना लदी ट्राली और पिकअप की टक्कर हो गई। इस घटना में एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 10 लोग इसमें घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार मऊ जनपद के लगभग 20 से 25 की संख्या में लोग एक पिकअप के जरिए आजमगढ़ और अकबरपुर जनपद की सीमा पर लगने वाले गोविंद साहब मेले में गए थे। देर रात वह पिकअप से वापस मऊ जा रहे थे। कंधरापुर थाने और जयपुरिया स्कूल के बीच मंदुरी की तरफ से एक गन्ना लदी ट्रैक्टर और ट्राली आजमगढ़ की तरफ आ रही थी।

जिला अस्पताल में इलाज

तभी पीछे से आ रही तीव्र गति पिकअप ने गन्ना लदी ट्राली में जोरदार टक्कर मार दी। इस टक्कर में पिकअप सवार एक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि पिकअप में सवार 10 से अधिक लोग घायल हो गए। घटना की जानकारी होते ही कंधरापुर थाने की पुलिस भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सूचना पाते ही जिले के स्वास्थ्य विभाग के साथ ही पुलिस के आला अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। पिकअप सवार मऊ जनपद के सरायलखंसी थाना क्षेत्र के अमारी गांव के रहने वाले हैं।

बिजली के निजीकरण के विरोध में राष्ट्रव्यापी आंदोलन की घोषणा

22 को लखनऊ और 25 दिसंबर को चंडीगढ़ में पंचायत

लखनऊ। पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण को लेकर कर्मचारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बुधवार को लखनऊ में नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इम्प्लॉइज एण्ड इंजीनियर्स (एनसीसीओईईई) की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक हुई, जिसमें निर्णय लिया गया कि उप्र में बिजली के निजीकरण की किसी भी एकतरफा कार्यवाही के विरोध में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन होगा।

13 और 19 दिसंबर को देश भर में विरोध सभायें

13 और 19 दिसंबर को निजीकरण के विरोध में देश भर में विरोध सभायें की जायेंगी। 22 दिसंबर को लखनऊ में और 25 दिसंबर को चंडीगढ़ में निजीकरण के विरोध में विशाल बिजली पंचायत आयोजित की जाएंगी। एनसीसीओईईई ने निर्णय लिया कि यदि उत्तर प्रदेश में विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण की कोई भी एकतरफा कार्यवाही प्रारम्भ की गयी तो उसी दिन और बिना कोई नोटिस दिये देश के 27 लाख बिजली कर्मचारी सड़कों पर उतरने के लिए बाध्य होंगे और देशव्यापी विरोध प्रदर्शन करेंगे।

मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों को उग्रवादियों से खतरा

एसबी ने जारी किया अलर्ट

रांची। झारखंड विधानसभा सत्र के दौरान मुख्यमंत्री से लेकर मंत्री और विधायकों को राज्य के विभिन्न इलाके में आने-जाने के दौरान सुरक्षा में खतरा उत्पन्न हो सकता है। स्पेशल ब्रांच ने राज्य के ऐसे स्थानों को चिह्नित किया है, जहां पर खतरे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस संबंध में स्पेशल ब्रांच ने एक रिपोर्ट तैयार कर सभी जिलों के एसपी को अलर्ट कर दिया है। कहा गया है कि विधानसभा सत्र के दौरान अपने-अपने क्षेत्रों से विधायकों और मंत्रियों को आने-जाने के दौरान उन्हें संबंधित जगहों पर विशेष सुरक्षा प्रदान की जाए।

स्पेशल ब्रांच ने सभी जिलों के एसपी को भेजी रिपोर्ट

स्पेशल ब्रांच ने सभी जिलों के एसपी को जो रिपोर्ट भेजी है, उसमें कहा गया है कि पूर्व में घटित उग्रवादी/नक्सली घटनाओं को देखते हुए महानुभावों को उग्रवादी या अपराधी द्वारा संबंधित संवेदनशील स्थलों पर लक्षित किये जाने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है। इसलिए संबंधित चिह्नित स्थल पर मूवमेंट के दौरान समुचित संख्या में गश्ती दल की प्रतिनियुक्त कर सुरक्षा- व्यवस्था सुदृढ की जाये।

रायबरेली जेल में बंद आरोपी की संदिग्ध हालात में मौत, परिजनों में आक्रोश

रायबरेली। चार दिन पहले अवैध शराब के मामले में जेल में बंद आरोपी की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। घटना को लेकर परिजनों में आक्रोश है। खीरों निवासी गुड्डू मोहन को चार दिन पहले खीरों पुलिस ने अवैध शराब बेचने के मामले में गिरफ्तार किया था। आरोपी को जेल भेज दिया गया था। बुधवार सुबह बंदी की तबियत बिगड़ी तो उसे जिला अस्पताल लाया गया लेकिन वहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। परिजनों का कहना है कि गुड्डू की तबियत दो दिन से खराब चल रही थी लेकिन इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

'रॉकी सिंह' और 'रवि लाल' को खोजनेवाले रहें सावधान

कोड हुआ डिकोड, एक्शन में बिहार पुलिस

पटना। बिहार में 'रॉकी सिंह' और 'रवि लाल' दो नाम ऐसे हैं जिनको सुनते ही पुलिस सक्रिय हो जाती है। शराब माफियाओं की दुनिया के ये दो अनोखे कोडवर्ड को बिहार पुलिस ने डीकोड कर लिया है। 'रॉकी सिंह' से आरएस 'रवि लाल' से रेड लेबल की मांग की जाती है। वैसे तो पुलिस के सर्विलांस से बचने के लिए शराब माफिया लगातार कोड बदलते रहते हैं, लेकिन नये साल की तैयारी को लेकर बनाये गये इस कोड को समय रहते पुलिस ने डीकोड कर लिया है। पुलिस का दावा है कि आरएस (रॉयल स्टैग) का नाम बदलकर रॉकी सिंह कर दिया गया है।

कोड वर्ड का इस्तेमाल कर रहे माफिया

पुलिस मुख्यालय के सूत्रों की माने तो बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद भी शराब की तस्करी जारी है। शराब माफिया पुलिस से बचने के लिए लगातार अपने तरीके बदल रहे हैं। नए साल पर पुलिस शराब माफियाओं पर खास नजर रखेगी, खासकर होम डिलीवरी करने वालों पर।

व्यापार जगत

अडाणी ग्रुप ने ठुकराई 4692 करोड़ की अमेरिकी फंडिंग

खुद के दम पर बनाएंगे कोलंबो पोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

गौतम अडाणी की कंपनी अडाणी पोर्ट्स ने एक अहम फैसला लिया है। कंपनी ने श्रीलंका के कोलंबो पोर्ट प्रोजेक्ट के लिए अमेरिकी डेवलपमेंट फाइनेंस कॉरपोरेशन (DFC) की 4692 करोड़ रुपए ($553 मिलियन) की फंडिंग को ठुकरा दिया है। अब कंपनी ने यह प्रोजेक्ट कंपनी अपने संसाधनों से पूरा करेगी। यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब अडाणी ग्रुप अमेरिकी न्याय विभाग के रिश्वतखोरी के आरोपों का सामना कर रहा है।

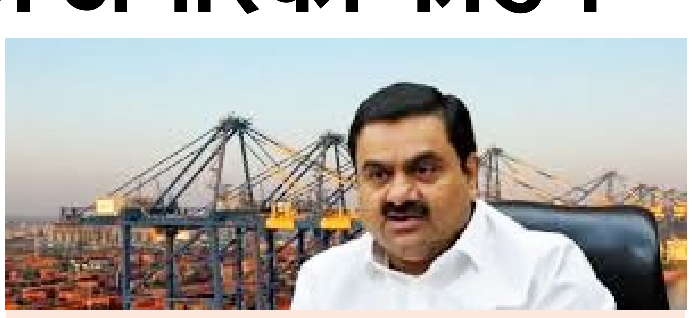

क्या है कोलंबो पोर्ट प्रोजेक्ट और क्यों है यह खास?

कोलंबो पोर्ट प्रोजेक्ट श्रीलंका का सबसे बड़ा कंटेनर टर्मिनल बनने जा रहा है। इस प्रोजेक्ट की शुरुआत 2021 में हुई थी, जिसे अडाणी पोर्ट्स, श्रीलंका पोर्ट अथॉरिटी और जॉन कील्स होल्डिंग्स मिलकर पूरा कर रहे हैं। यह टर्मिनल 1,400 मीटर लंबा और 20 मीटर गहरा होगा। इसकी वार्षिक हैंडलिंग क्षमता 32 लाख TEU (Twenty-foot Equivalent Unit) होगी। श्रीलंका के इस प्रमुख प्रोजेक्ट को अडाणी ग्रुप ने आत्मनिर्भरता की मिसाल के तौर पर चुना है।

अमेरिकी फंडिंग क्यों ठुकराई गई?

बीते साल नवंबर में DFC ने कोलंबो प्रोजेक्ट के लिए $553 मिलियन की फंडिंग का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों द्वारा रिश्वतखोरी के आरोपों और जांच के चलते अडाणी ग्रुप ने यह फंडिंग नहीं लेने का फैसला किया। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी कि यह प्रोजेक्ट 2025 की शुरुआत तक पूरा हो जाएगा और इसके लिए कंपनी अपने खुद के फंड्स का इस्तेमाल करेगी।

घट गया GDP ग्रोथ का अनुमान

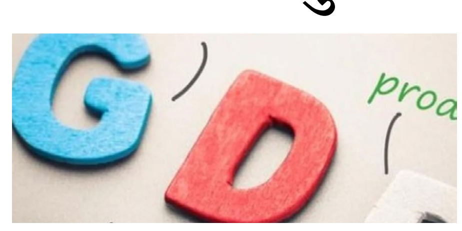

6.5% की दर से बढ़ेगी देश की इकोनॉमी!

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर यानी जीडीपी ग्रोथ के अनुमान में कटौती की गई है। यह कटौती एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने की है। प्राइवेट इन्वेस्टमेंट और हाउसिंग डिमांड में उम्मीद से कम वृद्धि के कारण एडीबी ने जीडीपी ग्रोथ को 7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। इसके साथ ही एडीबी ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को भी 7.2 प्रतिशत से घटाकर सात प्रतिशत कर दिया है।

एशियाई डेवलपमेंट आउटलुक की बुधवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी व्यापार, राजकोषीय और आव्रजन नीतियों में बदलाव से विकासशील एशिया, प्रशांत क्षेत्र में वृद्धि प्रभावित हो सकती है और महंगाई बढ़ सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एशिया, प्रशांत क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं के 2024 में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

सोने के भाव में लगातार तीसरे दिन तेजी

चांदी 1000 रुपए लुढ़की

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना-चांदी की कीमतों ने फिर से रफ्तार पकड़ ली है। बुधवार को भारत में सोना 800 से 870 रुपए तक महंगा हुआ। अभी देश के अधिकांश शहरों में 24 कैरेट सोने का भाव (Gold Rate) 79,470 रु. प्रति 10 ग्राम है। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का रेट 72,850 रुपए है। पिछले तीन दिन में गोल्ड प्राइस 1850 रुपए बढ़े हैं। बता दें कि गोल्ड रेट दिवाली के दिन 31 अक्टूबर 2024 को ऑलटाइम हाई लेवल 81,330 रु. पर थे। अगर आप सोना-चांदी खरीदने का मन बना रहे हैं, तो यहां लेटेस्ट प्राइज जान लीजिए।

चांदी के दाम 1000 रुपए लुढ़के

दिल्ली और मुंबई में सिल्वर के भाव में बुधवार को 1000 रुपए की गिरावट आई है। दिसंबर महीने में अब तक चांदी 4000 रुपए महंगी हो चुकी है। मंगलवार को एक ही दिन में 4500 रुपए का बंपर उछाल आया था। अभी चांदी की कीमतें 95,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर हैं। बता दें कि 23 अक्टूबर को चांदी ने 1.04 लाख रुपए का अपना ऑलटाइम हाई बनाया था। फिलहाल चेन्नई, हैदराबाद और केरल में एक किलोग्राम सिल्वर का रेट 1,03,000 रु. पर है। यहां देशभर में चांदी की मौजूदा कीमतें सर्वाधिक हैं।

ग्लोबल मार्केट में गोल्ड का भाव?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी शुरू हो गई है। बुधवार को कॉमैक्स पर सोना 5.50 डॉलर की तेजी के साथ 2724 डॉलर प्रति औंस के भाव पर ट्रेड कर रहा है। जबकि 30 अक्टूबर को सोना 2813 डॉलर के ऑलटाइम हाई पर था। दूसरी ओर, चांदी भी उछाल के साथ 32.55 डॉलर प्रति औंस के लेवल पर ट्रेड हो रही है।

ईवी सेक्टर को मिलेगा बड़ा बूस्ट

2030 तक आ सकता है 40 अरब डॉलर का भारी निवेश

मुंबई। देश में इलेक्ट्रिक व्हीकल का चलन बढ़ रहा है। जिससे अगले कुछ वर्षों में ईवी उद्योग में बड़ा निवेश होने की संभावना है। सबसे अधिक निवेश बैटरी बनाने में हो सकता है। सरकार ने 2030 तक कुल वाहनों में ईवी की हिस्सेदारी 30 फीसदी करने का लक्ष्य रखा है, जबकि इस समय यह आंकड़ा 8 फीसदी के करीब है। लक्ष्य को हासिल करने के लिए ईवी वाहनों की बिक्री सालाना औसतन 6 गुना बढ़ने की आवश्यकता है।

ईवी में कितने निवेश की संभावना?

संपति सलाहकार फर्म कॉलियर्स के अनुसार, भारत में और सहायक उद्योगों के विकास के लिए अगले 5 से 6 वर्षों में लगभग 40 अरब डॉलर के निवेश की परिकल्पना की गई है। इसमें सबसे अधिक 27 अरब डॉलर निवेश लीथियम-आयन बैटरी बनाने में करने की जरूरत है, जो निवेश का 67 फीसदी हिस्सा है। इसके बाद 23 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 9 अरब डॉलर निवेश ईवी और मूल उपकरण निर्माण के लिए जरूरी है।

सपाट बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 81,520 पर स्थिर

- निफ़्टी 24,650 के करीब क्लोज
- बैंक में गिरावट, एफएमसीजी और ऑटो में मजबूती

मुबइ। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, BSE Sensex और NSE Nifty50, बुधवार को पॉजिटिव नोट पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला Sensex 81,526.14 पर बंद हुआ, जो 16.09 पॉइंट या 0.02% की बढ़त दिखाता है। आज Sensex ने 81,742.37 के हाई और 81,383.42 के लो के बीच ट्रेड किया। दूसरी ओर, NSE Nifty50 31.75 पॉइंट या 0.13% की बढ़त के साथ 24,641.80 पर बंद हुआ। Nifty50 का आज का हाई 24,691.75 और लो 24,583.85 रहा।

Nifty50 के 50 स्टॉक्स में से 26 ग्रीन में बंद हुए। सबसे ज्यादा फायदा Trent, Bajaj Finance, Britannia, Shriram Finance, और Hero MotorCorp को हुआ, जिनमें 2.50% तक की तेजी देखी गई। वहीं, JSW Steel, Adani Ports, NTPC, State Bank of India, और Axis Bank के 23 स्टॉक्स रेड में बंद हुए, जिनमें 1.48% तक की गिरावट दर्ज हुई।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

डेब्यू करने के 27 महीने बाद नंबर वन बैटर बने हैरी ब्रूक

- जो रूट की बादशाहत खत्म; बुमराह-जडेजा का जलवा कायम
- गेंदबाजों में बुमराह शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी | दुबई

इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने बुधवार को आईसीसी द्वारा ताजा बल्लेबाजी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने हमवतन जो रूट को गद्दी से हटाया। रूट लंबे समय से पहले स्थान पर मौजूद थे। हैरी ब्रूक ने 27 महीने पहले ही इंग्लैंड के लिए डेब्यू किया और काफी कम समय में टेस्ट में नंबर वन बल्लेबाज बन गए हैं। भारत के जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा गेंदबाजी और ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में शीर्ष पर कायम हैं।

हैरी ब्रूक के अब 898 रेटिंग पॉइंट्स

हैरी ब्रूक के अब 898 रेटिंग पॉइंट्स हैं, जबकि जो रूट उनसे सिर्फ एक रेटिंग पीछे हैं। जो रूट के नाम 897 रेटिंग है। रूट इस साल जुलाई में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को पछाड़कर शीर्ष स्थान पर काबिज हुए थे और उन्होंने नौवीं बार शीर्ष स्थान हासिल किया था। हैरी ब्रूक ने टेस्ट क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। ब्रूक ने 23 टेस्ट मैचों में 61.62 की शानदार औसत और आठ शतकों के साथ 2280 रन बनाए हैं। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज ब्रूक ने 2024 में 11 टेस्ट मैचों में चार शतकों सहित 1099 रन बनाए हैं। ब्रूक ने सितंबर 2022 में इंग्लैंड के लिए टेस्ट डेब्यू किया था।

ट्रेविस हेड को 6 स्थान का फायदा

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार सेंचुरी लगाने का फायदा ट्रेविस हेड का मिला है । उन्होंने एक साथ 6 स्थानों की छलांग मारी है। वह अब 781 की रेटिंग के साथ नंबर पांच पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के कामिंडु मेंडिस को भी एक स्थान का फायदा हुआ है। वह अब 759 की रेटिंग के साथ नंबर 6 पर पहुंच गए हैं। साउथ अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा भी तीन पायदान ऊपर आ गए हैं। वह अब 753 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर पहुंच गए हैं।

बुमराह ने शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखा

बुमराह ने 890 रेटिंग अंकों के साथ टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर अपना स्थान बरकरार रखा है। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा (856) और ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड (851) का नंबर आता है। जडेजा ने भी 415 रेटिंग अंकों के साथ ऑलराउंडरों की टेस्ट रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज 285 अंकों के साथ इस सूची में दूसरे नंबर पर हैं।

स्टार्क को 3 स्थान का फायदा

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले मिचेल स्टार्क को 3 स्थान का फायदा हुआ है। अब ऑस्ट्रेलियाई पेसर 14वें स्थान से 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, उनकी 746 की रेटिंग है। जसप्रीत बुमराह 890 रेटिंग के साथ नंबर-1 पर बने हुए हैं।

ऋषभ पंत को भी झेलना पड़ा नुकसान

न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को तीन स्थानों का नुकसान हुआ है। वह अब 729 की रेटिंग के साथ नंबर 8 पर चले गए हैं। भारत के ऋषभ पंत को भी 3 स्थान का नुकसान हुआ है। वे अब 724 की रेटिंग के साथ नंबर 9 पर खिसक गए हैं। पाकिस्तान के साउद शकील की रेटिंग भी 724 की है, इसलिए वे भी पंत के साथ संयुक्त रूप से नौवें स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले ब्रिस्बेन पहुंची भारतीय टीम

ब्रिस्बेन। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम इंडिया बुधवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के तीसरे टेस्ट मैच से पहले ब्रिस्बेन पहुंच गई। पांच मैचों की सीरीज में दोनों टीमें एक-एक टेस्ट जीतकर बराबरी पर हैं। ट्रैविस हेड के घरेलू मैदान पर शानदार शतक और मिशेल स्टार्क और पैट कमिंस के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से जीत हासिल की।

गाबा में शुरु होगा सीरीज का तीसरा मैच

ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच सीरीज का तीसरा मैच शनिवार से प्रतिष्ठित गाबा में शुरु होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने टीम इंडिया के एडिलेड से ब्रिस्बेन की यात्रा की एक क्लिप साझा की है। टीम तीसरे टेस्ट मैच में शक्तिशाली ऑस्ट्रेलियाई टीम से भिड़ने के लिए उत्साहित है और आराम के मूड में है।

बॉलर्स दिखाएंगे भौकाल या बल्लेबाजों का दिखेगा खूंखार रुप?

ब्रिस्बेन के पिच क्यूरेटर डेविड सैंडर्सकी ने टेस्ट मैच की शुरुआत से तीन दिन पहले मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि गाबा के विकेट में सीजन की शुरुआत और अंत में एक जैसी खूबियां नहीं होती हैं। उन्होंने यह हिंट दिया कि भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले में पिच का कैसा रोल रहने वाला है। सैंडर्सकी ने तीसरे टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलियाई मीडिया से कहा, 'साल के अलग-अलग समय निश्चित रूप से इसे अलग बनाते हैं। यह थोड़ी अलग पिच हो सकती है।' क्यूरेटर ने कहा, 'सीजन के आखिर में पिचें थोड़ी ज्यादा टूट-फूट वाली हो सकती हैं, जबकि सीजन की शुरुआत में पिचें थोड़ी ताजा होती हैं और उनमें थोड़ी ज्यादा ताकत हो सकती है।'

किसे मिलेगी मदद?

सैंडर्सकी ने माना कि वे तेज गेंदबाजों के लिए विकेट को और ज्यादा मसालेदार बनाने के लिए कुछ भी अतिरिक्त नहीं कर रहे हैं। सीरीज के पहले दो टेस्ट मैच अच्छी उछाल वाली विकेटों पर खेले गए हैं। खासकर एडिलेड में, जहां रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को विकेट की सॉफ्टनेस निपटना मुश्किल लगा। क्यूरेटर ने कहा, 'आम तौर पर हम अभी भी पिच को हर बार ठीक उसी तरह से तैयार करते हैं ताकि गाबा में वही अच्छी कैरी, पेस और बाउंस मिले जिसके लिए जाना जाता है।

विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप

भारतीय पुरुष और महिला टीमें प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को हांगकांग-चीन में खेले गए मुक़ाबले में दोनों टीमों ने प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया। भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया जबकि पुरुष टीम कोलंबिया से 1-2 से हार गई, लेकिन कोलंबिया ने आयरलैंड को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफलता हासिल की, जिससे भारतीय टीम अपने प्रारंभिक समूह में दूसरे स्थान पर रही।

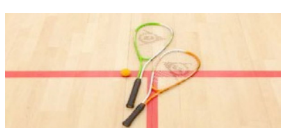

इस टीम से होगी भिड़ंत

भारतीय पुरुष टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम अगले चरण में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। दोनों वर्गों के प्री-क्वार्टर फाइनल में 12 टीमें होंगी, जिनमें से चार को बाई दिया जाएगा। अपने आखिरी लीग मैच में भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया, जिसमें आकांक्षा सालुंखे, अनाहत सिंह और निरुपमा दुबे ने सीधे गेम में अपने-अपने मैच जीते। स्क्वैश रैंकिंग में 206वें स्थान पर काबिज निरुपमा दुबे ने मुकाबले के शुरुआती मैच में बीट्राइस फिलिप्पी को केवल 15 मिनट में 3-0 (11-4, 11-3, 11-1) से हराया। विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व की 131वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टीना टार्टारोन को 3-0 (11-3, 11-9, 11-3) से हराकर इसे और मजबूत किया, वहीं, विश्व की 70वें नंबर की खिलाड़ी आकांक्षा सालुंखे ने फ्लाविया मिसेली को 3-0 (11-3, 11-3, 11-1) से हराया। भारतीय पुरुष टीम कोलंबिया से 2-1 से हार गई, लेकिन बाद में आयरलैंड को हराने के बाद भारतीय पुरुष ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे और प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह ने पुरुष रैंकिंग में 17वें स्थान पर रहने वाले मिगुएल रोड्रिग्ज से पहला मैच 3-1 (4-11, 8-11, 11-5, 4-11) से गंवा दिया। वीर चोटरानी ने शानदार परिणाम के साथ भारत को बराबरी पर ला खड़ा किया। 87वें स्थान पर काबिज चोटरानी ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाले जुआन कैमिलो वर्गास (39वें स्थान) के खिलाफ 3-1 (11-8, 11-9, 12-14, 11-5) से जीत हासिल की। सूरज कुमार चंद (159वें स्थान) को टाई के अंतिम मैच में दुनिया के 78वें नंबर के खिलाड़ी रोनाल्ड पालोमिनो के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और सीधे गेमों (11-5, 11-6, 11-3) में हार का सामना करना पड़ा। कोलंबिया ने 2-1 से जीत दर्ज की और बाद में आयरलैंड को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय पुरुषों ने सोमवार को आयरलैंड को 2-1 से हराया था।

महिला क्रिकेट लीग

तरन्नुम बानो ने की शानदार बल्लेबाजी, एनआर डे ने जीता मैच

लखनऊ। महिला क्रिकेट लीग के दूसरे राउंड में एन.आर. डे ने नीरू कपूर को 26 रन से मात दे दी। इस मैच में एनआर के तरन्नुम बानो ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 85 रन बनाए। एनआर डे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में छह विकेट गंवाकर 186 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शरगुन यादव मात्र पांच रन बनाकर आउट हो गयीं। वहीं अपनी टीम में सबसे अधिक तरन्नुम बानो ने सात चौकों की मदद से 113 बाल पर 85 रन बनाये। वहीं अंशु तिवारी ने 37 रन का योगदान दिया। रिद्धिमा यादव 21 रन बनाकर आउट हो गयीं। वहीं नीरु कपूर की टीम निर्धारित ओवर में छह विकेट गंवाकर 160 रन ही बना सकी और एनआर डे ने 26 रन से मैच को जीत लिया। नीरू कपूर की टीम में सबसे अधिक ताशू सिंह की टीम ने 25 रन का योगदान दिया। वहीं वीना ने 24 रन और महिमा शुक्ला ने 2 रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे मोहम्मद शमी

- रोहित शर्मा के बयान ने BCCI की बढ़ाई बेचैनी

एजेंसी | बेंगलुरु

11 दिसंबर को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बंगाल और बड़ौदा के बीच सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी क्वार्टरफाइनल मैच खेला जा रहा है। सबकी निगाहें मोहम्मद शमी पर टिकी है। सवाल ये है कि शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भरेंगे या नहीं? भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के हालिया बयान के बाद, उनकी इस यात्रा पर फिर से संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

रोहित शर्मा का बयान

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में हार का सामना करने के बाद जब रोहित शर्मा से शमी की वापसी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि रद्वार खुले हैं, लेकिन सतर्कता भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि शमी को हाल ही में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान घुटने में सूजन की समस्या हुई थी। रोहित ने कहा, हम उन्हें बहुत सावधानी से मॉनिटर कर रहे हैं। हम नहीं चाहते कि वे यहां आएं और खेलने के दौरान चोटिल हो जाएं। हम शमी पर दबाव डालने के बजाय उनकी सेहत को प्राथमिकता दे रहे हैं।

शमी की फिटनेस पर BCCI की नजर

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी, शमी के लिए ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज की तैयारी का हिस्सा रही है। पिछले महीने टखने की चोट से उबरने के बाद, शमी ने बंगाल टीम के लिए लगातार नौ मैच खेले हैं। लेकिन, रोहित के हालिया बयान ने बीसीसीआई को यह तय करने से रोक दिया है कि शमी को टेस्ट सीरीज के लिए भेजा जाए या नहीं। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (CAB) के अनुसार, शमी ने हाल ही में फिटनेस टेस्ट दिया है। हालांकि, अभी तक उनके ऑस्ट्रेलिया जाने की कोई स्पष्टता नहीं है। बीसीसीआई शमी की फिटनेस पर नजर बनाए हुए है।

बंगाल टीम की प्रतिक्रिया

हालांकि, बंगाल टीम ने शमी की फिटनेस को लेकर कोई चिंता नहीं जताई है। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शमी ने बल्ले और गेंद दोनों से अपना योगदान दिया है। पिछले महीने रणजी ट्रॉफी में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने के बाद से शमी ने लगातार खेलते हुए अपने प्रदर्शन में सुधार दिखाया है।

अतुल सुभाष आत्महत्या मामला

99 फीसदी मामलों में पुरुषों की गलती: कंगना रनौत

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में एक निजी कंपनी में कार्यरत 34 वर्षीय अतुल सुभाष ने बीते दिन पंखे से लटककर अपनी जान दे दी थी। उन्होंने आत्महत्या करने से पहले एक वीडियो जारी अपनी पत्नी और ससुराल पक्ष पर आरोप लगाया है। इस मामले में देशभर में खूब चर्चा हो रही है। अब अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने इंजीनियर अतुल की आत्महत्या मामले में एक विवादित बयान दिया है, जिसकी वजह से वह खूब ट्रोल हो रही हैं।

99 फीसदी शादी में पुरुषों का ही दोष होता है- कंगना

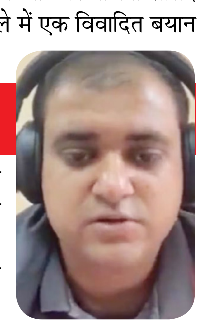

कंगना ने कहा, उनका वीडियो दिल दहलाने वाला है। शादी जब तक हमारी भारतीय परंपरा से जुड़ी हुई है, तब तक ठीक है, लेकिन जो इसमें साम्यवाद, समाजवाद और एक तरह से नारीवाद का कीड़ा है, वो दिक्कत वाली बात है। एक गलत महिला का उदाहरण लेकर जितनी महिलाओं को हर दिन प्रताड़ित किया जा रहा है, उसे नहीं झुठला सकते। 99 फीसदी शादी में पुरुषों का ही दोष होता है, इसलिए ऐसी गलतियां हो जाती हैं।

बुरा दौर याद कर रो पड़े बॉबी देओल

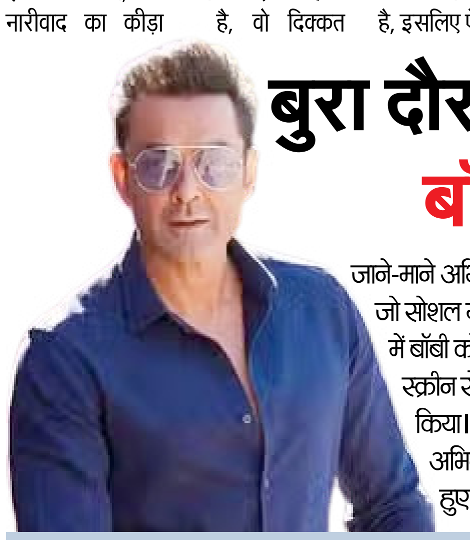

जाने-माने अभिनेता बॉबी देओल का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में बॉबी को रोते हुए देखा जा सकता है। दरअसल, हाल ही में स्क्रीन से बातचीत करते हुए बॉबी ने अपने बुरे दौर को याद किया। इस दौरान बॉबी के साथ उनके भाई और दिग्गज अभिनेता सनी देओल भी मौजूद थे। उन्होंने अपने रोते हुए छोटे भाई को संभाला और उन्हें चुप कराया।

बॉबी ने बुरे दौर पर की बात

बॉबी ने कहा, ‡मेरी वजह से परिवार मुश्किल दौर से गुजरा है। हम एक-दूसरे से बहुत करीब हैं, हम साथ रहते हैं और मुझे पता है कि मुझे दर्द से गुजरते देखकर वे भी दर्द से गुजर रहे थे और वे कुछ नहीं कर सकते थे। बस बात यही है कि जिंदगी में हार मत मानो।‡ काम के मोर्चे पर बात करें तो बॉबी जल्द ही 'हाउसफुल 5', 'अल्फा', 'थलापथी 69' और 'डाकू महाराज' जैसी फिल्मों में नजर आएंगे।

'तीसरी कसम' के लिए राज कपूर ने लिए 1 रुपए

दिवंगत अभिनेता राज कपूर आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनसे जुड़ी यादें प्रशंसकों के जहन में जिंदा हैं। उन्होंने भारतीय सिनेमा को एक से बढ़कर एक फिल्में दीं, जिनमें 'दिल की रानी', 'अमर प्रेम', 'बरसात', 'धून', 'जेल यात्रा', 'जिस देश में गंगा बहती है', 'दूल्हा दुल्हन', 'सपनों का सौदागर', 'कल आज और कल', 'सत्यम शिवम सुन्दरम' शामिल हैं। क्या आप जानते हैं फिल्म 'तीसरी कसम' के लिए राज कपूर ने फीस के तौर पर केवल 1 रुपए लिए थे?

1966 में रिलीज हुई थी फिल्म

फिल्म 'तीसरी कसम' साल 1966 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म उस समय बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, लेकिन आगे चलकर इसे क्लासिक फिल्म का दर्जा मिला। इस फिल्म में राज कपूर की जोड़ी भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री वहीदा रहमान के साथ बनी थी। 'तीसरी कसम' के लिए राज कपूर ने निर्माताओं से केवल 1 रुपए लिए थे। इसका खुलासा साल 2019 में अभिनेता अन्नू कपूर ने एक रियलिटी शो में किया था।

दोस्ती की खातिर फिल्म का हिस्सा बने राज कपूर

'तीसरी कसम' बैलगाड़ी चलाने वाले हीरामन की कहानी थी, जो नौटंकी में नाचने वाली हीराबाई (वहीदा) के प्यार में पड़ जाता ह। राज ने हीरामन और वहीदा रहमान ने हीराबाई का किरदार निभाया था। पहले इन भूमिकाओं के लिए महमूद और मीना कुमारी को लिया जा रहा था, लेकिन फिर राज ने अपने दोस्त शैलेंद्र के लिए यह फिल्म की। उन्होंने सिर्फ 1 रुपए में यह फिल्म साइन की। बता दें कि राज ही शैलेंद्र को फिल्मों में लाए थे।

सलमान खान फिर करेंगे साउथ का रुख

चिरंजीवी के बाद अब मिली राम चरण की फिल्म

अभिनेता सलमान खान पिछले कुछ समय से अपनी आगामी फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। अब 'सिकंदर' की रिलीज से पहले सलमान की अन्य फिल्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। दरअसल, खबर है कि वह साउथ के सुपरस्टार राम चरण की आने वाली फिल्म 'RC16' में नजर आ सकते हैं।

खास भूमिका में नजर आएंगे सलमान

एक रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान फिल्म 'RC16' में मेहमान (कैमियो) की भूमिका में नजर आ सकते हैं। निर्माताओं ने अभिनेता को फिल्म में एक विशेष भूमिका निभाने के लिए संपर्क किया है। इससे पहले वह राम चरण के पिता और अभिनेता चिरंजीवी की फिल्म 'गॉडफादर' में कैमियो कर चुके हैं। इसके अलावा सलमान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में भी राम चरण ने फिल्म 'येंतम्मा' में डांस किया था। 'RC16' (अस्थाई नाम) में राम चरण की जोड़ी अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे। बुच्ची बाबू फिल्म के निर्देशक हैं। इस फिल्म में 'मुन्ना भैया' उर्फ दिव्येंदु शर्मा की एंट्री हो चुकी है। फिल्म से उनकी पहली झलक सामने आ चुकी है।

'ये काली काली आंखें' के तीसरे सीजन का ऐलान

श्वेता त्रिपाठी की लोकप्रिय वेब सीरीज 'ये काली काली आंखें' को 14 जनवरी, 2022 को OTT प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था और इसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। बीते 22 नवंबर को इसका दूसरा सीजन आया था, जिसकी सफलता के बाद अब निर्माताओं ने 'ये काली काली आंखें' के तीसरे सीजन का ऐलान कर दिया है। 'ये काली काली आंखें 3' जल्द ही नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिलहाल इसकी रिलीज तारीख सामने नहीं आई है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर 'ये काली काली आंखें' के तीसरे सीजन का ऐलान करते हुए एक वीडियो साझा किया है। इसके कैप्शन में लिखा, 'वेब सीरीज 'ये काली काली आंखें 2' को इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया। अगला अध्याय जल्दी ही शुरू होगा। 'ये काली काली आंखें 3' जल्द ही आ रहा है, केवल नेटफ्लिक्स पर।'

न्यूज़ ब्रीफ

सिख धर्मगुरु ढडरियांवाले पर दुष्कर्म और हत्या का केस दर्ज

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने पटियाला में 2012 में एक महिला के साथ कथित दुष्कर्म और हत्या के मामले में सिख धर्मगुरु रंजीत सिंह ढडरियांवाले के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस की ओर से पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में इसे लेकर एक हलफनामा दायर किया गया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा मंगलवार को दायर हलफनामे के अनुसार, सात दिसंबर को पटियाला के पासियाना पुलिस थाने में यह प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी पीड़िता के भाई की शिकायत पर दर्ज की गई थी। भाई ने आरोप लगाया है कि उसकी बहन के साथ दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर दी गई। यह भी आरोप लगाया कि घटना के समय पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पटियाला के शेखपुरा गांव में गुरुद्वारा परमेश्वर द्वार के प्रमुख उपदेशक ढडरियांवाले के पंजाब और विदेश में बड़ी संख्या में अनुयायी हैं। मामले में उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा है कि पुलिस जांच में सहयोग करेंगे।

जन-धन योजना के तहत खुले 11 करोड़ से अधिक खाते निष्क्रिय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत अब तक कुल 54.03 करोड़ खाते खोले गए हैं, जिनमें से 11.30 करोड़ खाते निष्क्रिय हैं। इन निष्क्रिय खातों में 20 नवंबर 2024 तक 14,750 करोड़ रुपये जमा हैं। राज्यसभा में बुधवार को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैंकों को निष्क्रिय खातों की संख्या को कम करने के लिए तत्काल कदन उठाने को निर्देश दिए गए हैं। आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार, बचत के साथ-साथ चालू खाते को तब निष्क्रिय माना जाता है, यदि खाते में दो साल से अधिक समय तक ग्राहक द्वारा किसी भी तरह का कोई लेनदेन नहीं किया गया हो।

बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ रोकने के लिए समुद्री सीमा पर सुरक्षा कड़ी

कोलकाता। बांग्लादेश में चल रहे संकट के बीच अवैध घुसपैठ की आशंका को देखते हुए पश्चिम बंगाल की अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा पर केंद्रीय और राज्य सुरक्षा एजेंसियों ने निगरानी कड़ी कर दी है। इन घुसपैठियों में भूमिगत संगठनों के सक्रिय सदस्य भी शामिल हो सकते हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने यह निर्णय हाल की दो घटनाओं के बाद लिया है। पहली घटना में दो बांग्लादेशी समुद्री जहाजों को अवैध रूप से भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश करने पर पकड़ा गया था। दूसरी घटना में खुफिया जानकारी मिली है कि कुछ आतंकवादी संगठन, विशेष रूप से हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी), पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में फिर से सक्रिय होने की कोशिश कर रहा हैं।

एनआईए की पंजाब और हरियाणा में 9 स्थानों पर छापेमारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गैंगस्टर-आतंकवादी गठजोड़ मामले की जांच करते हुए आज पंजाब और हरियाणा में नौ स्थानों पर तलाशी ली है। मामले से जुड़े संदिग्धों के बारे में खुफिया जानकारी के आधार पर आज सुबह से ही यह कार्रवाई शुरू की गई है। इनमें पंजाब में आठ और हरियाणा में एक स्थान है।

रेलवे संशोधन विधेयक पारित

रेल मंत्री बोले- इससे निजीकरण नहीं होगा, विपक्ष फैला रहा झूठ

सबरीमाला में महिलाओं के प्रवेश पर की थी टिप्पणी

एजेंसी । कोच्चि

लोकसभा में बुधवार को रेलवे कानून में संशोधन करने के लिए एक विधेयक पारित किया गया. इस पर सरकार ने जोर देकर कहा कि इससे रेल का निजीकरण नहीं होगा. रेलवे संशोधन विधेयक पर बहस का जवाब देते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने निचले सदन में कहा कि एक झूठी कहानी फैलाई गई थी कि संशोधन से रेलवे का निजीकरण हो जाएगा. मैं उनसे कहना चाहूंगा कि फेक नैरेटिव न बनाएं. एक फेक नैरेटिव आपका फेल हो चुका है संविधान का. अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज देश में डिफेंस और रेलवे ये दो ऐसे सेक्टर हैं जिनके राजनीतिकरण से बचते हुए आगे बढ़ने की जरूरत है. ये देश की ताकत हैं. रेलवे का पूरा फोकस गरीब और मिडल क्लास परिवारों पर. एसी और नॉन एसी कोच के रेशियो को मेंटेन किया गया. जब कई सदस्यों की ओर से जनरल कोच की डिमांड आई तो 12 कोच जनरल कोच बनाए जा रहे हैं. हर ट्रेन में जनरल कोच ज्यादा हो, इस पर काम किया जा रहा है.

उन्होंने सदन में जानकारी देते हुए बताया कि अमृत भारत ट्रेन पूरी तरह से नॉन एसी है. 20 पैसेंजर और दो पार्सल के हैं. इसमें 10 स्लीपर और 10 जनरल कोच हैं और इसमें वंदे भारत वाली तकनीक ही इस्तेमाल की गई है. यह ट्रेन 10 महीने चल चुकी है और इसके परिचालन अनुभव के आधार पर 50 गाड़ियां और बन रही हैं जो जनवरी महीने से हर महीने आने लगेगी.

छठ के दौरान 1 लाख 80 हजार लोगों ने की यात्रा: मंत्री

रेल मंत्री ने कहा कि मेमू ट्रेन के भी 600 कोच बने हैं. रेलवे का प्रीमियर कस्टमर लोवर क्लास और मिडिल इनकम परिवार हैं और पूरा फोकस उन पर है. छठ के दौरान 1 लाख 80 हजार लोगों ने यात्रा की और 60 स्पेशल ट्रेन चलाई गई. पटना में 80 हजार यात्री साथ आए लेकिन कोई दिक्कत नहीं हुई. महाकुंभ के लिए 13 हजार ट्रेन की व्यवस्था की जाएगी. उन्होंने कहा कि आईईटीएस टेक्निक के जरिये पटरी में कोई भी फॉल्ट हो, तुरंत मेजर हो जाता है. तीन मशीनें इस्तेमाल की जा रही हैं जिनका रिजल्ट बहुत अच्छा रहा है. इसे हम हर जोन में लगाएंगे. टोयोटा इनोवा को लेकर अजमेर में एक प्रयोग हुआ था. उसे इस तरह से मोडिफाई किया गया था कि वह गाड़ी पटरी पर चल सके. रेलवे ने टाटा और महिंद्रा के इंजीनियर्स के साथ मिलकर एक ऐसी गाड़ी बनाई है जो रोड पर भी चलेगी और पटरी पर भी. हाल ही में इसका निरीक्षण किया. ये सुविधा संपन्न है और हथौड़े वगैरह रखने की भी जगह है.

बजट को बढ़ाकर 2.52 लाख करोड़ कर दिया गया: वैष्णव ने यह भी बताया कि रेलवे के लिए पिछले 10 वर्षों में 2,000 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाए गए हैं, जो संप्रग सरकार की तुलना में तीन गुना ज्यादा हैं। उन्होंने 'वंदे भारत' ट्रेन का जिक्र करते हुए कहा कि यह ट्रेन आत्मनिर्भर भारत की पहचान बन गई है और इसके पैमाने पर कई देशों की रेलगाड़ियां भी पीछे हैं। रेल मंत्री ने यह भी बताया कि रेलवे के बजट को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बढ़ाकर 25-30 हजार करोड़ रुपये से 2.52 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा, 31 हजार किलोमीटर नई पटरियां बिछाई गई हैं और 15 हजार किलोमीटर रेलवे पटरियों पर सुरक्षा प्रणाली 'कवच' लगाई जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रेलवे में अभूतपूर्व बदलाव हुआ है और कश्मीर से कन्याकुमारी तक रेलवे के नेटवर्क को जोड़ने के लिए काम तेजी से चल रहा है। वैष्णव ने यह भी बताया कि कश्मीर के लिए चिनाब रेलवे पुल का निर्माण किया गया है, जो 359 मीटर ऊंचा है और एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा है।

अविश्वास प्रस्ताव

धनखड़ आरएसएस का एकलव्य: खड़गे

एजेंसी । नई दिल्ली

राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर INDIA ब्लॉक ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- सभापति राज्यसभा में स्कूल के हेडमास्टर की तरह व्यवहार करते हैं। विपक्ष का सांसद 5 मिनट भाषण दे तो वे उस पर 10 मिनट तक टिप्पणी करते हैं। सभापति सदन के अंदर प्रतिपक्ष के नेताओं को अपने विरोधी के तौर पर देखते हैं। सीनियर-जूनियर कोई भी हो, विपक्षी नेताओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर अपमानित करते हैं। उनके व्यवहार के कारण हम अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए मजबूर हुए हैं।

खड़गे ने राधाकृष्णनन का किस्सा सुनाया: सभापति राजनीति से परे होते हैं। आज सभापति नियमों को छोड़कर राजनीति ज्यादा कर रहे हैं। अंबेडकरजी ने संविधान में लिखा है कि भारत के उप-राष्ट्रपति राज्यसभा के सभापति होंगे। पहले राज्यसभा सभापति राधाकृष्णन ने 1952 में सांसदों से कहा था कि मैं किसी भी पार्टी से नहीं हूं। इसका मतलब है कि मैं सदन में हर पार्टी से जुड़ा हूं।

खड़गे ने अविश्वास प्रस्ताव लाने के 4 कारण बताए...

- सदन में एक्सपीरियंस्ड नेता हैं, जर्नलिस्ट हैं, लेखक हैं, प्रोफेसर हैं। कई फील्ड में काम कर सदन में आए हैं। 40-40 साल का अनुभव रहा है, ऐसे नेताओं को भी सभापति प्रवचन सुनाते हैं।
- आमतौर पर विपक्ष चेयर से प्रोटेक्शन मांगता है, अगर सभापति ही प्रधानमंत्री और सत्तापक्ष का गुणगान कर रहा हो तो विपक्ष की कौन सुनेगा।
- 3 साल में धनखड़ का आचरण पद की गरिमा के विपरीत रहा है। कभी सरकार की तारीफ के कसीदे पढ़ते हैं, कभी खुद को RSS का एकलव्य बताते हैं। ऐसी बयानबाजी उनके पद को शोभा नहीं देती।
- जब भी विपक्ष सवाल पूछता है तो मंत्रियों से पहले चेयरमैन खुद सरकार की ढाल बनकर खड़े होते हैं। उनके खिलाफ हमारी कोई निजी दुश्मनी, द्वेष या राजनीतिक लड़ाई नहीं है। देश के नागरिकों को हम विनम्रता से बताना चाहते हैं कि हमने सोच-विचारकर संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए मजबूरी में ये कदम उठाया है।

5 साल में चक्रवाती तूफानों का कहर

राज्यों ने मांगे 149857 करोड़ रुपये, केंद्र ने जारी किए 29272 करोड़

एनडीआरएफ से 12862.25 करोड़ जारी

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में हर साल 'बाढ़' और 'चक्रवाती तूफान', कहर बनकर लोगों पर टूटते हैं। पहले इस तरह की राष्ट्रीय आपदाओं पर होने वाला खर्च काफी अधिक रहता था। अब पांच वर्ष से इस खर्च में कमी आ रही है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की अचूक रणनीति और राज्यों का भरपूर सहयोग, इन सबने प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले जान और माल के नुकसान को कम कर दिया है। पिछले पांच साल की बात करें तो केंद्र सरकार ने एनडीआरएफ के माध्यम से राज्यों को प्राकृतिक आपदाओं के दौरान 29272.886 करोड़ रुपये जारी किए हैं। हालांकि राज्य सरकारों ने उक्त अवधि में राहत कार्यों के लिए 149857.788 करोड़ रुपये जारी करने का अनुरोध किया था।

16 प्रदेशों ने प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए 47284.32 करोड़ देने का किया अनुरोध

केंद्रीय गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक, विभिन्न राज्यों ने पांच वर्ष के दौरान बाढ़, भूस्खलन, बादल फटना और चक्रवात, इस तरह की प्राकृतिक आपदाओं में केंद्र सरकार से मदद का अनुरोध किया था। 2019-20 में 16 प्रदेशों ने प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए 47284.32 करोड़ रुपये देने का अनुरोध किया था। इस राशि की मांग की एवज में एनडीआरएफ से 12862.25 करोड़ रुपये जारी किए गए। साल 2020-21 में 21 प्रदेशों ने प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई के लिए 57965.527 करोड़ रुपये देने का अनुरोध किया था।

दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दो को जमानत

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली वक्फ बोर्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस से जुड़े मामले में गिरफ्तार दो आरोपियों को बुधवार को जमानत दे दी। ये दोनों आरोपी लम्बे समय से जेल में हैं और फिलहाल इन पर मुकदमा शुरू होने की कोई संभावना नहीं है, इन्हीं दो बातों को ध्यान में रखते हुए अदालत ने दोनों को जमानत दे दी। अदालत ने दोनों को हफ्ते भर के अन्दर विशेष न्यायालय के सामने पेश होकर जमानत की औपरचारिकताएं पूरी करने को कहा। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने फैसला देते हुए कहा कि, 'दोनों आरोपियों पर अभी तक आरोप भी तय नहीं किए गए हैं, इसलिए मुकदमा जल्द शुरू होने की उम्मीद नहीं है। इसलिए, मामले के तथ्यों और अपीलकर्ताओं द्वारा दिए गए वचनों और सेंथिल बालाजी के मामले में इस कोर्ट के फैसले के पैराग्राफों के मद्देनजर अपीलकर्ताओं को जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए।'

अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस को दिया जोर का झटका, दिल्ली में अकेले चुनाव लड़ेगी आप

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (AAP) और कांग्रेस के बीच गठबंधन की अटकलों को अरविंद केजरीवाल ने खारिज कर दिया। AAP प्रमुख केजरीवाल ने कहा है कि आम आदमी पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उसके कांग्रेस के साथ किसी भी तरह के गठबंधन की संभावना नहीं है।

AAP के 31 प्रत्याशी घोषित, 24 के टिकट कटे

AAP ने अब तक 31 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। 2020 चुनाव में 27 सीटों पर AAP जबकि 4 पर भाजपा के विधायक थे। AAP ने इस बार 27 विधायकों में से 24 के यानी 89% टिकट काट दिए हैं। AAP की पहली लिस्ट 21 नवंबर को आई थी, जिसमें 11 उम्मीदवारों के नाम थे। इसमें भाजपा-कांग्रेस से आए 6 लोगों को टिकट दिया गया है। इनमें भाजपा के 3 और कांग्रेस के 3 चेहरे शामिल हैं। आम आदमी पार्टी ने सोमवार को 20 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की। इसमें 17 मौजूदा विधायकों के टिकट काट दिए गए हैं। 3 प्रत्याशियों की सीट बदली गई है। मनीष सिसोदिया को जंगीपुरा से, राखी बिड़लान को मादीपुर सीट दी गई है।

"AAP के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि आने वाला दिल्ली चुनाव आम आदमी पार्टी अपने संगठन की ताकत और राजनीतिक बलबूते पर लड़ेगी।

राघव चड्ढा ने भी अलायंस की खबरों को निराधार बताया

बुधवार को यह खबर सामने आई थी कि AAP दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 15 सीट देने पर विचार कर रही है, लेकिन केजरीवाल ने X पर पोस्ट के जरिए गठबंधन की बात को नकार दिया है। AAP राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि आने वाला दिल्ली चुनाव आम आदमी पार्टी अपने संगठन की ताकत और राजनीतिक बलबूते पर लड़ेगी। कांग्रेस और AAP के बीच अलायंस की खबरें निराधार हैं। AAP पिछले तीन दिल्ली चुनाव अपने बलबूते पर लड़ती, जीतती और सरकार बनाकर उसे चलाती आई है।

महिला हेल्पलाइन में 81.64 लाख से ज़्यादा महिलाओं को दी गई सहायता

एजेंसी । नई दिल्ली

महिला हेल्पलाइन के माध्यम से देश भर में अबतक 81.64 लाख से ज्यादा महिलाओं की मदद की गई है। यह जानकारी महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्रीसावित्री ठाकुर ने बुधार को एक प्रश्न के उत्तर में राज्यसभा में दी। उन्होंने बताया कि महिला हेल्पलाइन का लक्ष्य सार्वजनिक और निजी दोनों जगहों पर महिलाओं को 181 नंबर के माध्यम से साल भर, चौबीसों घंटे आपातकालीन और गैर-आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रदान करना है।

उल्लेखनीय है कि महिला हेल्पलाइन योजना 1 अप्रैल, 2015 को शुरू की गई थी। यह मिशन शक्ति के तहत संबल वर्टिकल का एक घटक है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक और निजी दोनों जगहों पर महिलाओं को पुलिस, वन

स्टॉप सेंटर, अस्पताल, कानूनी सेवा प्राधिकरण आदि जैसे उपयुक्त अधिकारियों से जोड़कर टेलीफ़ोनिक शॉर्ट-कोड 181 के ज़रिए 24x7x365 आपातकालीन और गैर-आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, यह महिला कल्याण योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानकारी प्रदान करता है।

एक दशक में मोटी हो जाएगी आधी दुनिया

38 फीसदी वयस्क आबादी समस्या से जूझ रही

एजेंसी । नई दिल्ली

इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के अनुसार 2035 तक दुनिया में मोटे लोगों की संख्या बढ़कर दोगुनी हो सकती है। इसके अनुसार मौजूदा समय में करीब दो अरब लोग अधिक वजन या मोटापे की जद में हैं, जो बढ़कर चार अरब हो सकते हैं। यह संख्या दुनिया की आधी आबादी के बराबर होगी।

भारत की स्थिति चिंताजनक

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मौजूदा समय में दुनिया की 38 फीसदी वयस्क आबादी अधिक वजन की समस्या से जूझ रही है और आगे भी यह समस्या बढ़ेगी। रिपोर्ट में वर्ल्ड ओबेसिटी एटलस के आंकड़ों को आधार बनाया है। इसे लेकर चिंता व्यक्त की गई है। कहा गया है कि मोटापे के कारण होने वाली बीमारियों मधुमह और हृदय रोगों के चलते दुनिया पर चार खरब डॉलर का अतिरिक्त बोझ बढ़ेगा। यह वैश्विक जीडीपी के तीन फीसदी के बराबर होगा। यह भी कहा गया है कि मधुमेह रोगियों के बढ़ने की आशंका ज्यादा है। मध्य और कम आय वाले देशों में अधिक वजन के लोगों की संख्या में तेज बढ़ोत्तरी की आशंका है। इसकी वजह अनियंत्रित खानपान और खराब जीवनशैली है। इस संदर्भ में भारत की स्थिति चिंताजनक मानी जा रही है। राष्ट्रीय परिवार कल्याण सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों के अनुसार देश में 24 फीसदी महिलाएं और 23 फीसदी पुरुष मोटापे की जद में हैं। पांच साल से कम उम्र के चार फीसदी बच्चे भी अधिक वजन के शिकार हैं। भारत में भी ये आंकड़े बढ़ सकते हैं।

भारत अंतरिक्ष स्टेशन | **2040 तक भारतीय को चांद पर उतारा जाएगा**

2035 तक भारत स्थापित करेगा अपना स्पेस स्टेशन

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बुधवार को ऐलान किया कि भारत 2035 तक अपना स्पेस स्टेशन स्थापित करेगा। इसे 'भारत अंतरिक्ष स्टेशन' नाम दिया जाएगा। इसके साथ ही, 2040 तक एक भारतीय को चंद्रमा पर भेजने की योजना है।

दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डॉ. सिंह ने बताया कि 2025 के अंत तक या 2026 की शुरुआत में, गगनयान मिशन के तहत पहला भारतीय अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में जाएगा। साथ ही भारत अपने गहरे समुद्र मिशन के तहत 6,000 मीटर की गहराई में मानव को भेजने की योजना बना रहा है।

क्या है मिशन गगनयान

गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन है जिसके तहत चार एस्ट्रोनॉट्स अंतरिक्ष में जाएंगे। यह 3 दिन का मिशन होगा, जिसके तहत एस्ट्रोनॉट्स के दल को 400 KM ऊपर पृथ्वी की कक्षा में भेजा जाएगा। इसके बाद क्रू मॉड्यूल को सुरक्षित रूप से समुद्र में लैंड कराया जाएगा। अगर भारत अपने मिशन में कामयाब रहा तो वो ऐसा करने वाला चौथा देश बन जाएगा। इससे पहले अमेरिका, चीन और रूस ऐसा कर चुके हैं।

स्टार्ट-अप्स में बढ़ोतरी और स्पेस सेक्टर में सुधार

उन्होंने कहा, सरकार स्पेस सेक्टर को मैनेज करने के लिए एक नए कानून पर काम कर रही है। इस सेक्टर में पिछले चार साल में प्राइवेट प्लेयर्स ने सैटेलाइट के निर्माण और लॉन्च में अहम भूमिका निभाई है, जिसके चलते काफी सुधार हुआ है। डॉ. सिंह ने कहा कि 2014 में जहां स्पेस स्टार्ट-अप्स की संख्या सिर्फ एक थी, वह अब बढ़कर 266 हो गई है। उन्होंने बताया कि भारत ने श्रीहरिकोटा लॉन्च साइट से अब तक 432 विदेशी उपग्रह लॉन्च किए हैं, जिनमें से 397 पिछले 10 साल में ही लॉन्च किए गए हैं। इसके साथ ही, सरकार ने डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस के तहत बनाए इंडियन नेशनल स्पेस प्रमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (IN-SPACe) जैसी सरकारी संस्था बनाई है जो निजी संस्थाओं को प्रोत्साहित करने, रेगुलेट करने और उन्हें स्पेस सेक्टर में काम करने की अनुमति देने में अहम भूमिका निभाती है।

"हम अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने जा रहे हैं। अमेरिका और कुछ अन्य देशों के बाद ऐसा करने वाले देशों में हम शामिल होंगे।

जितेंद्र सिंह
अंतरिक्ष राज्य मंत्री

2040 तक अंतरिक्ष में कई बड़ी योजनाएं

डॉ. सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के पहले चरण को सेट-अप करने के लिए गगनयान मिशन को शुरू करने का टारगेट रखा है। इसके अलावा, चंद्रयान-4 के जरिए चंद्रमा की चट्टानों के नमूने वापस लाने, शुक्र ग्रह का अध्ययन करने और नेक्स्ट जेनरेशन लॉन्च व्हीकल्स तैयार करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं। भारत का लक्ष्य 2047 तक विज्ञान और अंतरिक्ष क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनना है।

स्थानीय निकाय उपचुनाव में यूडीएफ ने जीतीं 16 सीटें

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

केरल में 31 वार्डों में हुए स्थानीय निकाय उपचुनाव में 16 सीटों पर कांग्रेस नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने जीत हासिल की है। यूडीएफ ने सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) से भी कुछ सीटें छीनी हैं। उपचुनाव में सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) नेतृत्व वाले एलडीएफ ने 11 वार्डों और भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने दो सीटों पर जीत पाई। राज्य चुनाव आयोग के मुताबिक एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी की जीत हुई। यूडीएफ की जीत पर राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन ने कहा कि चुनाव परिणाम से साफ है कि राज्य के लोग सत्ता के विरोध में हैं। विपक्ष की जीत से साफ है कि केरल में कोई सरकार नहीं है।

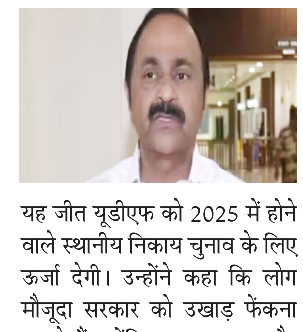

यह जीत यूडीएफ को 2025 में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए ऊर्जा देगी। उन्होंने कहा कि लोग मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकना चाहते हैं क्योंकि यह भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से भरी है और जनविरोधी है। सतीशन ने कहा कि विपक्ष ने हाल ही में हुए उपचुनाव के बाद स्थानीय निकाय उपचुनाव में अपनी जीत की लय को बरकरार रखा है। यूडीएफ अपनी सीटों की हिस्सेदारी बढ़ाने में कायम रहा और उसने तीन पंचायतों में एलडीएफ के शासन को खत्म कर दिया।